सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 237 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 10 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भीड़ देख बच्चों को लेकर भागी मादा तेंदुआ, एक पीछे छूटा

बड़वानी। गोलाटा गांव में सोमवार को जब किसान के खेत में सिंचाई का काम चल रहा था, तभी ग्रामीणों को झाड़ियों के पास एक मादा तेंदुआ अपने तीन शावकों के साथ दिखाई दी। लोगों के जुटने और शोर-शराबा होने के कारण मादा तेंदुआ डर गई। वह तुरंत अपने दो बच्चों को सुरक्षित घनी झाड़ियों की तरफ लेकर भाग निकली, लेकिन दो महीने की एक मादा शावक आम के पेड़ के पास ही छूट गई और अपने परिवार से अलग हो गई। जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, तो शावक की हालत बेहद खराब थी। वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम शावक को तुरंत वन विभाग के इको सेंटर कैंपस लेकर आई।

बज रहा था हेल्पलाइन नंबर, सीएम साय ने खुद उठाया फोन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। इस दौरान वह खुद फोन उठाकर लोगों की समस्या सुनने लगे और विभाग को समाधान करने के निर्देश दिए। कॉल करने वाले कॉलर पूना राम ठाकरे ने अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि उन्होंने आय प्रमाण पत्र के संदर्भ में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। सीधे सीएम से बात करके वह भी अत्यंत हर्षित था।

बर्थ सर्टिफिकेट की जगह बना दिया मृत्यु प्रमाण पत्र!

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में बदहाल सरकारी व्यवस्था का नमूना सामने आया है। अपने बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने आए पिता को मृत्यु प्रमाण पत्र थमा दिया गया। अब बेटे को जीवित साबित करने के लिए पिता कई महीनों से सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है। मामला नरवल तहसील के सरसौल विकासखंड के बांबी गांव का है। 9 जनवरी, 2026 को जितेंद्र कुमार अपने बेटे आयांश का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन दिया था। 24 फरवरी को उनको मृत्यु प्रमाण पत्र पकड़ा दिया गया।

बांधवगढ़ में कटीले तारों में फंसी मादा 'गौर', तोड़ा दम

जबलपुर। कटनी वन मंडल के उटिन गांव के पास एक खेत के चारों तरफ लगी नुकीले कंटीले तारों की जाली में एक भारी-भरकम मादा गौर बुरी तरह फंस गई। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम और वाइल्डलाइफ डॉक्टरों को मौके पर बुलाया गया। पर रेस्क्यू के दौरान ही मादा गौर ने दम तोड़ दिया।

सीएम हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ : 42 विभागों के 8 हजार अधिकारी 1195 श्रेणियों में दर्ज करेंगे जनता की शिकायत, समयबद्ध होगा निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य की बहुप्रतीक्षित सीएम हेल्पलाइन 1076 का शुभारंभ कर दिया है। उन्होंने हेल्पलाइन प्रणाली के आधिकारिक लोगो का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में मंत्रिपरिषद के सदस्यगण तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित थे।

श्री साय ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की समस्या सुनी जाए, और उसका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। सुशासन तिहार के दौरान प्रदेशभर से प्राप्त शिकायतों, सुझावों और जनप्रतिसाद ने एक प्रभावी, सशक्त एवं स्थायी जनसंपर्क तंत्र की आवश्यकता को रेखांकित किया। इसी सोच के साथ सीएम हेल्पलाइन विकसित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासी टोल फ्री नंबर 1076 पर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे, सुझाव दे सकेंगे तथा फीडबैक भी साझा कर सकेंगे। इससे सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को नई मजबूती मिलेगी। जनता और शासन के बीच विश्वास मजबूत होगा।

हेल्पलाइन व्हाट्सएप पर भी है, ताकि लोग मोबाइल से अपनी बात सरकार तक पहुंचा सकें। इसमें शासन के 42 विभागों के लगभग 8 हजार अधिकारी जुड़े हुए हैं तथा 1195 श्रेणियों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था की गई है।

प्रत्येक शिकायत को एक यूनिक आईडी प्रदान मिलेगी, जिससे आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक हो सकेगी। शिकायतकर्ता को संतोष नहीं हुआ तो शिकायत स्वतः उच्च अधिकारियों के पास पुन: परीक्षण एवं जांच के लिए अग्रेषित हो जाएगी। इससे शिकायतों के सतही निराकरण की संभावना समाप्त होगी और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। सीएम हेल्पलाइन प्रणाली 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन संचालित रहेगी। सचिव स्तर के अधिकारी डैशबोर्ड के माध्यम से इसकी निगरानी करेंगे, वहीं मुख्यमंत्री सचिवालय भी इसकी सतत मॉनिटरिंग करेगा।

मोदी सरकार के 12 साल, 12 काम

टूटा नेहरू का सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकार्ड

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने सत्ता में 12 साल पूरे कर लिए। इसके साथ ही वे भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने के रिकार्ड से आगे निकल गए हैं।

इन 12 सालों में मोदी सरकार ने ऐसे कई बड़े फैसले किए हैं, जिसने देश की राजनीति को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया है और जिसके चलते भारत में बहुत बड़ा सामाजिक और आर्थिक बदलाव हुआ है।

अनुच्छेद 370 खत्म : 5 अगस्त, 2019 को जम्मू और कश्मीर के लिए अनुच्छेद 370 का प्रावधान खत्म।

महिला आरक्षण : सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू कर लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण।

गरीबों को आरक्षण : जनवरी 2019 में सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान संसद से पास करवाया।

80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज : कोविड काल से पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज।

नागरिकता संशोधन कानून : 2019 में ही मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून लागू किया।

नोटबंदी : कालाधान और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने 8 नवंबर, 2016 को 500 और 1,000 के नोट बंद।

अयोध्या में राम मंदिर : नवंबर, 2019 में मोदी सरकार ने भव्य मंदिर के निर्माण के लिए योगदान देना शुरू किया और उसे पूरा किया।

अंग्रेजों के समय के कानून खत्म : मोदी सरकार ने ब्रिटिश हुकूमत के समय के 1,200 से ज्यादा कानूनों को खत्म कर दिया है। आईपीसी, सीआरपीसी और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू।

ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध : मोदी सरकार ने एक बार में तीन तलाक को अपराध घोषित कर दिया। संसद ने अगस्त, 2019 से इस प्रतिबंध पर मुहर लगा दी।

मोदी सरकार की योजनाएं : पिछले 12 वर्षों में स्वच्छ भारत, जनधन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्जवला, पीएम आवास, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, जीएसटी, डिजिटल पेमेंट क्रांति, रेलवे, हाइवे, एक्सप्रेसवे और एविएशन सेक्टर के विकास के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं।

कथावाचक नरेन्द्र शास्त्री का बुरा वक्त शुरू

चावल देखकर बता देते थे भूत-भविष्य बलात्कार के आरोप में हो गए गिरफ्तार

फाइल फोटो

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद। पुलिस ने कथावाचक और ज्योतिषाचार्य नरेंद्र शास्त्री को रायपुर के सिलयारी से गिरफ्तार कर लिया है। बागबाहरा थाना में उनके खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज है ।

नरेंद्र शास्त्री को 'चावल वाले बाबा' या 'चाय वाले बाबा' के नाम से भी जाने जाते हैं। वे लोगों के लाए गए चावल के दानों और एक लाल फूल को देखकर उनका भूत, भविष्य और वर्तमान बताने के लिए काफी लोकप्रिय हैं।

पीड़ित ने बागबाहरा थाने में 6 मई को लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी नरेंद्र शास्त्री के खिलाफ धारा 376(2)(j), 376(2)(n) और 376(2)(m) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

इससे पहले जांजगीर-चांपा में बलात्कार के आरोप में निर्मल बाबा (60) को गिरफ्तार किया गया था। महिला को शरीर में दर्द की परेशानी थी, इस समस्या के इलाज के लिए वह बाबा के पास गई थी। इस दौरान उसने महिला से रेप कर वीडिया बनाया था।

जोनल 'कयाकिंग-कैनोइंग' में छग ने पहले दिन जीते 7 गोल्ड सहित 12 मेडल

रायपुर (एसकेपी)। नया रायपुर के सेंध जलाशय में शुरू हुई अस्मिता जोनल कयाकिंग एंड कैनोइंग प्रतियोगिता के पहले दिन मेजबान छत्तीसगढ़ का दबदबा देखने को मिला। 10 राज्यों के करीब 130 खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबलों में छत्तीसगढ़ ने 7 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज समेत कुल 12 मेडल अपने नाम किए।

छत्तीसगढ़ की ओर से राधा, वंशिका और कौशल नादानी सबसे सफल खिलाड़ी रहे। राधा और वंशिका ने एक से ज्यादा गोल्ड जीते जबकि कौशल ने गोल्ड के साथ सिल्वर मेडल भी जीता। रमा सोनकर और स्वाति साहू की जोड़ी ने भी गोल्ड दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 29 इवेंट आयोजित किए गए। इनमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़ और छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी उतरे। मुकाबले सब-जूनियर और जूनियर वर्ग में हो रहे हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने की। इस दौरान खेल संघ के पदाधिकारी, कोच और बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद रहे।

राममंदिर के चढ़ावे में चोरी पर मांगी रिपोर्ट

अयोध्या (ए.)। अयोध्या राम मंदिर में आए चढ़ावे में 7 करोड़ रुपए की चोरी के दावे पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को मंदिर ट्रस्ट से रिपोर्ट मांगी है। यह जानकारी सूत्रों से पता चली है। भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर सीबीआई से जांच कराने की मांग की थी। इधर, राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक की थी। राम मंदिर परिसर के एक बंद कमरे में करीब 4 घंटे तक बैठक चली। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में चढ़ावे की राशि, उसके उपयोग और लेखा-जोखा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार से सवाल पूछा था कि सनातन आस्था से खिलवाड़ करने वाले कौन हैं।

मानसून : देश भर में प्री मानसून का ताण्डव

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना (ए.)। मानसून ने केरलम में दस्तक देने के 6 दिन बाद मिजोरम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल पहुंचा। इसके साथ ही अब तक 16 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है।

बिहार में मंगलवार को 10 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। उत्तर प्रदेश के इटावा में तेज तूफान के साथ बारिश हुई। 100 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी भी चली। इस दौरान 100 से ज्यादा जगहों पर पेड़-पोल गिर गए।

महाराष्ट्र के नवी मुंबई में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड होने से 5 कारें मलबे में दब गईं। पवने एमआईडीसी इलाके में पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा ढहा था।

इधर, राजस्थान के अलवर में रेत का बवंडर उठा। मध्य प्रदेश के 26 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। दिल्ली के पालम में 111 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चली।

पाकिस्तान से सटे भारतीय गांवों में रात गुजारेंगे 8 आईपीएस अफसर

गांधीनगर। गुजरात के 8 आईपीएस अधिकारी पाकिस्तान बॉर्डर के साथ लगते गांवों में रातें गुजारेंगे। सरकार ने 8 आईपीएस अधिकारियों की इसके लिए ड्यूटी लगाई है। दरअसल सरकार सुरक्षा तैयारियों का आकलन करने और सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों से सीधे बातचीत करने के उद्देश्य से एक अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत आईपीएस के आठ वरिष्ठ अधिकारी अगले सप्ताह राज्य की पाकिस्तान सीमा से लगे 16 गांवों का दौरा करेंगे और वहां रात को भी ठहरेंगे। 11 और 12 जून को निर्धारित ये दौरे वाव-थराद सीमा क्षेत्र के गांवों के साथ-साथ पाटन और कच्छ जिलों के कुछ हिस्सों को कवर करेंगे।

बार-बार खाते खुलवाने वालों पर पुलिस की नजर, हर बैंक में होगा लीगल अफसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच रायपुर पुलिस अब उन लोगों पर नजर रखने की तैयारी में है, जो अलग-अलग बैंकों में बार-बार खाते खुलवाते हैं। इसके साथ ही हर बैंक में कानूनी मामलों के लिए अलग अधिकारी नियुक्त करने और स्थायी संपर्क नंबर जारी करने की भी तैयारी की जा रही है।

रायपुर में सभी प्रमुख बैंकों के नोडल अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने वाले बैंक खातों, संदिग्ध लेन-देन और ठगी की रकम को जल्द रोकने के उपायों पर चर्चा की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि, साइबर फ्रॉड के अधिकांश मामलों में ठग फर्जी या किराए पर लिए गए बैंक खातों का इस्तेमाल करते हैं। कई मामलों में एक ही व्यक्ति अलग-अलग बैंकों में कई खाते खुलवाता है। ठगी की रकम को तेजी से एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर कर देता है।

इसी वजह से बैंकों को ऐसे खाताधारकों की पहचान कर उनकी जानकारी पुलिस के साथ साझा करने को कहा गया है।

इस बैठक में एक महत्वपूर्ण सुझाव यह भी दिया गया कि, हर बैंक में कानूनी मामलों के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। इसके अलावा लीगल विभाग के लिए स्थायी मोबाइल नंबर जारी किया जाए।

महात्मा गांधी कला मंदिर में 'एक शाम बशीर बद्र के नाम' का आयोजन

प्रभंजय, साधना व परन ने पेश किया गज़लों का गुलदस्ता

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-बीएसपी के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा पद्मश्री स्वर्गीय डॉ. बशीर बद्र की स्मृति में महात्मा गांधी कला मंदिर में 'एक शाम बशीर बद्र के नाम' गजल संध्या आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ईडी एचआर पवन कुमार थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ईडी रावघाट अरुण कुमार उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सेल के भूतपूर्व निदेशक गणतंत्र ओझा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। ओए के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर तथा ओलंपियन राजेंद्र प्रसाद सहित बड़ी संख्या में साहित्य एवं संगीत प्रेमियों ने सहभागिता की।

गजल संध्या का शुभारंभ युवा गजल गायक परन राज भाटिया की प्रस्तुति से हुआ। उन्होंने डॉ. बशीर बद्र की चर्चित गजलों को अपनी मधुर एवं प्रभावशाली आवाज में प्रस्तुत किया। इसके पश्चात अंतरराष्ट्रीय भजन एवं गजल गायक प्रभंजय चतुर्वेदी ने अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने डॉ. बशीर बद्र की प्रसिद्ध गजल 'कभी यूँ भी आ मेरी आँख में' सहित अनेक लोकप्रिय रचनाओं को प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में प्रस्तुत कालजयी गजलों ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया तथा संपूर्ण सभागार साहित्य एवं संगीत के सुरम्य वातावरण से गुंजायमान रहा।

ॉकार्यक्रम की मुख्य प्रस्तुति सुप्रसिद्ध गजल गायिका डॉ. साधना रहाटगांवकर द्वारा दी गई। उन्होंने अपनी विशिष्ट गायन शैली में डॉ. बशीर बद्र की अनेक कालजयी गजलों को प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

मुख्य अतिथि पवन कुमार ने डॉ. बशीर बद्र की लोकप्रिय गजल 'यूँ ही बेसबब न फिरा करो, कोई शाम घर में रहा करो; ये गजल की सच्ची किताब है, इसे चुपके-चुपके पढ़ा करो' को प्रभावी अंदाज में प्रस्तुत किया।

सारंगी पर शफीक हुसैन, बांसुरी पर बिहारी तारम, तबले पर अवध सिंह ठाकुर, भालचंद्र शेगेकर एवं रामचंद्र सर्पे तथा की-बोर्ड पर साई चक्रवर्ती ने संगत की। संचालन सुप्रियो सेन ने अपने प्रभावी अंदाज में किया।

संपादकीय

विकास और विश्वास

बड़े बदलावों संग विकसित भारत का संकल्प

सत्ता शीर्ष पर बारह साल के कार्यकाल के दौरान अनेक विशिष्ट उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में आई हैं। एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पं. नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद 13 मई, 1952 को विधिवत निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शुरू किया, जो 1964 तक चला। वहीं नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 9 जून, 2024 को ली। निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता-अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद-370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी। लोगों को गरिमा व अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं बदलावकारी कही जाती हैं। साथ ही उन लोगों को 'अंत्योदय दृष्टि' से प्रेरित होकर लाभ देने की कोशिश हुई, जो असमानता के चलते पीछे छूट गए थे। बड़ी संख्या में जनधन खाते खोले जाने का लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला। जहां डायरेक्ट बेनिफट ट्रांसफर से जहां लोगों को समय पर मदद मिली, वहीं बिचौलियों पर नकेल कसने से भ्रष्टाचार पर अंकुश भी लगा। मोदी सरकार ने 'एक देश, एक कर' की सोच को जीएसटी लागू करके हकीकत बनाया।

> निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता-अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद-370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी।

जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे तो उन्होंने उद्घोष किया था कि न 'खाऊंगा और न खाने दूंगा।' यह हकीकत है मानवीय दुर्बलताओं और समाज में लगातार बढ़ती भौतिकवाद की सोच के चलते समाज में भ्रष्टाचार पर अपेक्षित लगाम नहीं लगी, लेकिन उनके कार्यकाल में कोई मंत्री प्रत्यक्ष तौर पर किसी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त नजर नहीं आया। निस्संदेह, खाड़ी संकट के चलते महंगे हुए पेट्रोलियम पदार्थों से महंगाई असर दिखा रही है, लेकिन समय रहते प्रबंधन के चलते वैसे हालात भी नहीं पैदा हुए, जैसे हमारे पड़ोसी देशों में नजर आ रहे हैं। अमेरिका दबाव के बावजूद रणनीतिक ढंग से रूस से सस्ता तेल खरीदकर मोदी सरकार ने जहां देश के आपातकालीन पेट्रोलियम भंडारण को बढ़ाया, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा की भी बचत की। आज देश ने कच्चे तेल के खरीद के विकल्पों को विस्तार दिया है, जो संकटकाल में मददगार साबित हुए हैं। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री द्वारा सौर ऊर्जा, स्वच्छ ऊर्जा आदि वैकल्पिक संसाधनों के लिए जो अभियान चलाए गए, उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के दौरान देश की आर्थिकी को संबल दिया। एक समय विपक्षी नेता पेट्रोल में एथनॉल मिलाए जाने को लेकर आलोचना कर रहे थे, लेकिन यह फैसला मौजूदा ऊर्जा संकट में मददगार साबित हुआ। भारत एक विकासशील देश है, बड़ी आबादी जहां इसकी ताकत है, वहीं कमजोरी भी है। देश के अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराना जहां एक बड़ी उपलब्धि है, वहीं लोगों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कदम उठाने के लिए पहल करने को भी रेखांकित करता है। हालांकि, कोरोना संकट, रूस-यक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष और फिर ईरान अमेरिका-इस्राइल युद्ध के संकट से पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है, लेकिन राजग सरकार इन चुनौतियों का बखूबी मुकाबला करती नजर आई। इसके बावजूद मोदी सरकार की फिलहाल बेरोजगारी व महंगाई पर अंकुश लगाना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत युवाओं का देश है, इस युवाशक्ति का देश हित में कैसे बेहतर इस्तेमाल हो सकता है, इसकी दृष्टि निश्चय ही प्रधानमंत्री के पास है। तभी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

कॉकरोच पार्टी के मुद्दे और पंजाब में उनकी प्रासंगिकता

निर्मल संधु

दिल्ली में कॉकरोच पार्टी के धरने ने युवाओं से जुड़े मुद्दों पर ध्यान खींचा जिन पर पंजाब में भी गौर करने की जरूरत है। इनमें बेरोज़गारी, शिक्षा, धीमा विकास और विदेश में सिकुड़ते अवसर प्रमुख हैं। जबकि न विपक्षी दलों और न सत्ताधारी 'आप' की चुनावी योजनाओं में इन मुद्दों के भरोसेमंद हल शामिल हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई एक टिप्पणी, शायद गैर-इरादतन, के परिणामस्वरूप 'कॉकरोच जनता पार्टी' का अप्रत्याशित उद्भव हुआ है, पहले डिजिटल स्वरूप में और अब साक्षात रूप में भी। इसने युवाओं को अपनी ओर खींचा है, खासकर उन्हें जो शिक्षा में हुई धांधलियों से नाराज हैं या जो बेरोजगार हैं या जो कम तन्खवाह की नौकरियों में जीवन निर्वाह के लिए जूझ रहे हैं।

पंजाब को ज़्यादा चिंता करनी चाहिए क्योंकि अक्तूबर-दिसंबर 2025 के अवधिक श्रम सर्वे के मुताबिक, सूबे की युवा बेरोज़गारी दर 19 फीसदी के साथ काफी अधिक है। चिंतनीय, कि यह अखिल भारतीय औसत (14.8 प्रतिशत) से ज़्यादा है। इसकी तुलना में, हरियाणा में बेरोज़गारी दर घटकर 12.4 फीसद रह गई।

ऐसा क्यों है, यह सवाल पंजाबी पूछ सकते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान, जिन्हें मीडिया की सुर्खियों में रहना पसंद है और जो अकसर अकाली और कांग्रेस विरोधियों का मज़ाक उड़ाते हैं, शायद इसका जवाब न दे पाएं। वे करीब 66,000 नौकरियां देने की शेखी बघारते हैं, लेकिन उस दौरान सेवानिवृत्त हुए लोगों की वजह से पैदा रिक्तियों की बात नहीं करते।

नौकरियां तब पैदा होती हैं, जब विकास हो। पंजाब की 6.1 विकास दर राष्ट्रीय औसत 7.4 फीसदी से नीचे है। जबकि रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते भारत की सकल घरेलू उत्पाद दर को घटाकर 6.6 फीसदी किया है। खाद की कमी और महंगे हुए वाहन ईंधन की वजह से खेती और उद्योगों पर पड़ने वाले प्रभाव से पंजाब को बड़ा नुकसान हो सकता है। महंगाई दर बढ़ने से सामाजिक चिंताएं बढ़ेंगी।

युवाओं के लिए स्थिति कुल मिलाकर बदतर होती जा रही है। डॉलर के मुकाबले गिरता रुपया जहां विदेश यात्रा और पढ़ाई को मध्य वर्ग की पहुंच से बाहर कर रहा वहीं विदेश जाकर बसने के लिए कनाडा व अमेरिका जैसे उनके पसंदीदा देश आप्रवासियों के लिए द्वार बंद कर रहे हैं। ब्रेन ड्रेन के नुकसान को एक तरफ रखें तो अगर इन देशों ने महत्वाकांक्षी युवा पंजाबियों को पलायन के बेहतर रास्ते मुहैया न कराए होते तो पंजाब में गंभीर सामाजिक उथल-पुथल देखने को मिल सकती थी।

बिगड़ते आर्थिक माहौल और सिकुड़ती विदेशी राहों के असर का अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं। लेकिन क्या पंजाब इस उभरती कड़वी सच्चाई का सामना करने को तैयार है? अपने भविष्य को लेकर उम्मीदें खोकर, युवा नशीले पदार्थों की ओर रुख करते हैं या कभी-कभार बंदूक उठा लेते हैं। नशा और गैंगस्टर रूपी समस्याएं समाज-व्यवस्था में व्याप्त सड़न की ओर इशारा करती हैं। सरकारी एजेंसियां सिर्फ लक्षणों से जूझ रही हैं। वही नेता, जिनके पास पुराने समाधान हैं, समस्याओं का निदान नहीं कर सकते।

बीते शनिवार दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉक्रोच जनता पार्टी' के धरने ने राजनीतिक वर्ग के प्रति युवाओं का अविश्वास दर्शाया। ऐसे लोकतांत्रिक आंदोलन कभी-कभी नूतन विचार युक्त नए नेता उभारते हैं। 'कॉक्रोच जनता पार्टी' की लोकप्रियता सियासी दलों को पुराने नेताओं की जगह नए होनहार चेहरे लाने को मजबूर कर सकती है। युवाओं के मुद्दे अभी न तो पंजाब में विपक्षी दलों की चुनाव नीति में शामिल हैं और न ही सत्ताधारी 'आप' की। अधिकांशतः काम चलाऊ फौरी समाधानों के भरोसे रहकर भगवंत मान बड़ी गलती कर रहे हैं। मुफ्त की रेवड़ियां लुटाकर, वे भविष्य की जलधारा में छिपे हिम-शैलों को नज़रअंदाज़ कर, नाजुक किश्ती पर सवार हैं। वोटरों पर लुटाया जाने वाला पैसा,ठप पड़े उद्योगों, ठहरी हुई खेती और खराब सेवाओं में फिर से जान फूंकने में खर्च किया जाना चाहिए।

अगर सीमित साधनों का इस्तेमाल समझदारी से विकास करने पर किया जाए, तो राजनीतिक फ़ायदा होने में समय अवश्य लग सकता है लेकिन मिलता जरूर है। केवल अर्थपूर्ण एवं गुणवत्ता वाली कारगुजारी ही समृद्धि व कर-वसूली बढ़ा सकती है, जिससे राज्य को ज़रूरतमंदों की मदद करने में सहायता मिल सकती है। कर्ज लेकर भलाई कार्य करना सामान्य समझ से परे है। सबको मुफ्त में रेवड़ी बांटना अकर्मयण्ता को बढ़ावा देता है। खाते-पीते पंजाबी भी राज्य पर निर्भर होकर आत्म-सम्मान खो रहे । कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी ने इस बिंदु को ज़ोर देकर उठाया है।

लगता है, सियासी दल अतीत से कुछ नहीं सीख रहे। उदार सब्सिडी और करदाताओं के पैसे का भारी मात्रा में इस्तेमाल खुद के प्रचार, वीआईपी सुरक्षा और हेलीकॉप्टर पर करने के बावजूद, पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और कैप्टन अमरिंदर सिंह,दोनों ही, चुनाव हार गए थे।

हालिया निकाय चुनाव सबूत हैं कि 2027 के विधानसभा संग्राम में असल मुकाबला आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच होगा। यदि भाजपा पंजाब के लिए कोई भरोसेमंद आर्थिक मॉडल प्रस्तुत कर पाए, तभी सत्ता की गंभीर दावेदार बन सकती है। पंजाब में नए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, उद्योग और उसकी समस्याएं- जिस विषय की समझ उन्हें ज्यादा हो सकती है- पर बोलने के बजाय, जब राजनीतिक बयानबाज़ी और महाराजा रणजीत सिंह के खालसा राज की बातें करते हैं, तो यह उनका जमीनी हकीकत से कटे होना दर्शाता है।

अंदरूनी कलह से पीड़ित कांग्रेस को ठोस दलील पेश करनी होगी कि उसे सत्ता क्यों सौंपी जाए, जबकि उसका हर वरिष्ठ नेता सर्वोच्च पद के लिए 'पहले मैं' का खेल खेल रहा है। राहुल गांधी, बेशक, 'कॉकरोचों' के मुद्दे उठा रहे हैं, लेकिन क्या उनके दल के पास युवाओं के लिए कोई स्पष्ट योजना है? एआई से नौकरियों को खतरा बन गया है। क्या उनकी पार्टी ने इस मुद्दे पर गंभीर विचार किया? कौन सा नेता ज्यादा वोट दिला सकता है इस हेतु पता लगाने को सर्वे करना काफी नहीं। पंजाब में पार्टी की डाल और जड़ स्तर पर कारगुजारी का पुनरावलोकन करने की ज़रूरत है। आजमाए-असफल नेताओं की जगह उन लोगों को लाए, जिनके पास नज़रिया हो, ऊर्जा से लबरेज़ हों और पंजाब के पुनः विकास में मददगार हो सकें।

सत्ताधारी दल होने के नाते, आम आदमी पार्टी उच्च पायदान पर है। लेकिन कुछ चमक खो चुकी है। 'आप' सरकार इस कदर प्रचार-चालित है कि उसकी हर उपलब्धि पर संशय करना पड़ रहा है। उसके बहु प्रचारित नशा-निरोधक अभियान की सफलता जमीन पर महसूस नहीं हो रही।

जहां यह श्रेय वाकई भगवंत मान सरकार को जाता है कि स्टेडियम बनवाए और खेलों को बढ़ावा दे रही वहीं सबसे बड़ी उपलब्धि शिक्षा क्षेत्र में पाई है। नीति आयोग ने अपनी नवीनतम स्कूली शिक्षा व्यवस्था रिपोर्ट में पंजाब को प्रथम स्थान दिया। यह वर्ष 2020 के 27वें स्थान से एक बड़ी छलांग है । इस सफलता का श्रेय प्रचारबाज़ी शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस के अलावा 'आप' के केंद्रीय नेता मनीष सिसोदिया को भी जाता है।

हालांकि, कॉलेज-यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में चुनौतियां बरकरार हैं। विगत की सरकारों ने निजी शिक्षा संस्थानों की तरक्की की एवज़ में सरकारी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों को फंड से वंचित रखा। नतीजन, खर्च में भारी बढ़ोतरी ने उच्च शिक्षा को निम्न-मध्य वर्ग के छात्रों की पहुंच से दूर कर दिया। स्वास्थ्य क्षेत्र हो, शिक्षा या फिर रोजगार, नुकसान में ज्यादातर ग्रामीण युवा रहता है। जीवनयापन की बढ़ती लागत के चलते युवा और किसान का कभी-कभी रोष उजागर होता है।

हालांकि, बेरोज़गारों को परजीवी ठहरा कर उपहास उड़ाने की प्रतिक्रिया हो सकती है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सरकारों को युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से न लेने के जोखिमों से सतर्क हो जाना चाहिए। रोष बढ़ने से रोकने में त्वरित उपाय मददगार होंगे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रेडियो ने एकता के सूत्र में पिरोया देश को

पार्थ सार्थी

गत 90 वर्षों में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने, संसदीय व निर्वाचन गतिविधियों, विकास योजनाओं और सरकारी नीतियों को जनता तक पहुंचाने में रेडियो ने सेतु की भूमिका निभाई। 'दिस इज ऑल इंडिया रेडियो...' यह वाक्य केवल एक उद्घोषणा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की स्मृतियों, संवेदनाओं और राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न हिस्सा है। रेडियो ने भारत को केवल समाचार नहीं दिए, बल्कि उसे एक सूत्र में पिरोने, संस्कृति को संरक्षित करने, लोकतंत्र को मजबूत बनाने और संकट के समय जनविश्वास कायम रखने का कार्य किया। 8 जून 1936 को इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस का नाम बदलकर ऑल इंडिया रेडियो रखा गया था। इस संस्था ने अपनी गौरवशाली 90 वर्ष की यात्रा पूरी कर ली है। भारत में रेडियो प्रसारण की शुरुआत 1921 से 1924 के मध्य रेडियो क्लबों के माध्यम से शुरू हुई। 23 जुलाई, 1927 को इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने बंबई और कलकत्ता से नियमित प्रसारण प्रारंभ किया। आर्थिक कठिनाइयों के कारण यह व्यवस्था अधिक समय तक नहीं चल सकी।

वर्ष 1932 में भारत की अंग्रेज सरकार ने इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस नाम से प्रसारण व्यवस्था अपने हाथ में ले ली। सितंबर, 1935 में एक अंग्रेज ब्रॉडकास्टर लियोनेल फील्डन को लंदन से भारत बुलाकर प्रसारण नियंत्रक बनाया गया। उन्होंने 1 जनवरी, 1936 को दिल्ली के 18, अलीपुर रोड स्थित एक छोटे से भवन से इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस का संचालन शुरू किया। फील्डन को यह नाम आकर्षक नहीं लगता था। एक अवसर पर उन्होंने तत्कालीन वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो से अपनी समस्या साझा की। लिनलिथगो ने नया नाम सुझाया 'ऑल इंडिया रेडियो'। 8 जून, 1936 को पहली बार यह उद्घोषणा प्रसारित हुई और भारतीय प्रसारण इतिहास का नया अध्याय प्रारंभ हुआ। 90 वर्षों में आकाशवाणी भारत की संस्कृति, सभ्यता और देश की पहचान बनी, जिस पर प्रत्येक भारतीय गर्व करता है।

ऑल इंडिया रेडियो ने भारत की संगीत और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में अमूल्य योगदान दिया। रेडियो नाटक जैसी नई विधा का विकास भी इसी माध्यम से हुआ। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में, विशेषकर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के समय, भूमिगत रेडियो प्रसारणों ने जनचेतना को बल दिया। 3 जून, 1947 को भारत विभाजन की घोषणा प्रसारण भवन, दिल्ली से हुई। 14-15 अगस्त, 1947 की मध्यरात्रि को संविधान सभा से पंडित जवाहरलाल नेहरू का ऐतिहासिक 'नियति से मिलन' भाषण ऑल इंडिया रेडियो ने देश-दुनिया तक पहुंचाया। भारत विभाजन की त्रासदी के समय विस्थापित लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने और प्रशासनिक सूचनाएं और निर्देश देने में रेडियो ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 12 नवंबर, 1947 को महात्मा गांधी ने प्रसारण भवन, दिल्ली आकर कुरुक्षेत्र में बसे शरणार्थियों को संबोधित किया था। 12 नवंबर को लोकसेवा प्रसारण दिवस मनाने की घोषणा तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री सुषमा स्वराज ने की थी।

स्वतंत्रता के बाद विविधताओं से भरे भारत को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य रेडियो ने किया। कृषि कार्यक्रमों ने किसानों तक वैज्ञानिक खेती की जानकारी पहुंचायी। स्वास्थ्य, टीकाकरण, बाल कल्याण, पोलियो उन्मूलन और सामाजिक जागरूकता अभियानों में भी रेडियो प्रभावी माध्यम बना। 1952 से 1962 तक सूचना एवं प्रसारण मंत्री रहे बी.वी. केसकर के समय में शास्त्रीय और लोकसंगीत को विशेष महत्व मिला। फिल्मी गीतों की सीमित उपस्थिति के कारण श्रोताओं का रुझान रेडियो सीलोन की ओर बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप 1957 में विविध भारती प्रसारण सेवा शुरू की गई। पंडित नरेंद्र शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका से प्रारंभ हुई इस सेवा ने 'हवा महल', 'जयमाला', 'छायागीत' और 'भूले-बिसरे गीत' जैसे लोकप्रिय कार्यक्रम दिए। सैनिकों के लिए प्रसारित 'जयमाला' आज भी भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है।

3 अक्तूबर, 1957 को ऑल इंडिया रेडियो का हिंदी नाम 'आकाशवाणी' रखा गया। वर्ष 1962 के चीन युद्ध, 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, कारगिल संघर्ष तथा अनेक प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों का सबसे भरोसेमंद माध्यम आकाशवाणी ही रही।

आकाशवाणी को समृद्ध बनाने में लियोनेल फ़ील्डन, बुखारी बंधु, जगदीश चंद्र माथुर, पंडित नरेंद्र शर्मा, सुमित्रानंदन पंत, हरिवंश राय बच्चन, उपेंद्र अश्क, पंडित रवि शंकर, अनिल विश्वास, मेलविल डी मेलो, गिरिजा कुमार माथुर, दुष्यंत कुमार, जसदेव सिंह, देवकीनंदन पाण्डेय, विनोद कश्यप, सुरजीत सेन, बोरुन हलदार और अनेक प्रतिभाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गत 90 वर्षों में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने, संसदीय गतिविधियों, निर्वाचन गतिविधियों, विकास योजनाओं और सरकारी नीतियां जनता तक पहुंचाने में रेडियो ने सेतु की भूमिका निभाई। विद्यालयी शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, विज्ञान प्रसार और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया। भूकंप, बाढ़, चक्रवात और महामारी जैसी परिस्थितियों में, जब अन्य संचार माध्यम बाधित हो जाते हैं, तब भी रेडियो प्रभावी ढंग से कार्य करता है। आकाशवाणी ने एफ़एम गोल्ड, एफ़एम रेनबो जैसी सेवाओं के माध्यम से नए श्रोताओं तक पहुंच बनाई। आज प्रसारण मोबाइल ऐप, वेब स्ट्रीमिंग, डिजिटल आर्काइव और ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स पर उपलब्ध हैं। जनता का विश्वस आकाशवाणी की सबसे बड़ी पूंजी है।

महिलाओं को ज्यादा झुलसाती है गर्मी की तपिश

मुकुल व्यास

बहुत ज्यादा गर्मी महिलाओं की सामाजिक दुनिया को बदल देती है। हीटवेव के दौरान कई उष्णकटिबंधीय जगहों पर औरतें घर के अंदर रहती हैं, जिससे उनके सामाजिक संपर्क कम हो जाते हैं। बांग्लादेश, कंबोडिया और नेपाल में तेज गर्मी को बाल विवाह में बढ़ोतरी से जोड़ा गया है।

भीषण गर्मी आज एक बहुत बड़ी स्वास्थ्य समस्या है। दुनियाभर में हर साल लगभग 490,000 लोग गर्मी से अपनी जान गंवा देते हैं। लेकिन ये आंकड़े महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी पर गर्मी के खतरनाक असर को नहीं दर्शाते। एक नए अध्ययन ने एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के उदाहरणों के हवाले से बताया है कि महिलाओं को गर्मी के हालात में सबसे ज्यादा एडजस्ट करने के लिए मजबूर किया जाता है, लेकिन जलवायु संबंधी नीतियों में उन्हें सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया जाता है। एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के कई हिस्सों में महिलाएं घर की मुख्य देखभाल करने वाली होती हैं। वे अक्सर पुरुषों के मुकाबले घर के अंदर ज्यादा समय बिताती हैं। उन्हें कम हवादार घरों में बिना इंसुलेशन या कूलिंग के रहना पड़ता है, जिससे उन्हें शारीरिक और मानसिक तनाव होता है। इससे पता चलता है कि बहुत ज्यादा गर्मी महिलाओं की सेहत को कैसे नुकसान पहुंचाती है।

काम की जगहों पर लिंग के आधार पर भेदभाव भी गर्मी के संपर्क को प्रभावित करता है। एक रिसर्च से पता चलता है कि अनौपचारिक काम की जगहों पर साफ-सफाई की कमी महिलाओं को बहुत ज्यादा गर्मी के दौरान खास तौर पर परेशान करती है। कुछ महिलाएं गंदे टॉयलेट इस्तेमाल करने से बचने के लिए कम पानी पीती हैं, जिससे उनमें डिहाइड्रेशन और सेहत से जुड़ी और दूसरी समस्याएं उत्पन हो जाती हैं। ये छोटी-मोटी परेशानियां नहीं हैं। ये सब मिलकर महिलाओं के गर्मी के संपर्क में निरंतर इजाफा करती हैं।

बहुत ज्यादा गर्मी महिलाओं की सामाजिक दुनिया को बदल देती है। हीटवेव के दौरान कई उष्णकटिबंधीय जगहों पर औरतें घर के अंदर रहती हैं, जिससे उनके सामाजिक संपर्क कम हो जाते हैं। बांग्लादेश, कंबोडिया और नेपाल में तेज गर्मी को बाल विवाह में बढ़ोतरी से जोड़ा गया है, क्योंकि मुश्किल में फंसे परिवार पैसे का तनाव कम करने और घर का खर्च कम करने के लिए अपनी बेटियों को शादी के लिए मजबूर करते हैं।

एक अन्य अध्ययन के अनुसार दुनिया के कई हिस्सों में परिवार ऐसे घरों में रहते हैं जो गर्मी को अंदर रोककर रखते हैं, जहां बिजली की भरोसेमंद सुविधा नहीं है और साफ पानी की उपलब्धता सीमित है। बहुत से लोग आज भी चिलचिलाती धूप में बाहर काम करते हैं। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ रहा है, इस तरह के हालात सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर संकट पैदा कर रहे हैं। 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' में छपी एक नई स्टडी में बताया गया है कि दुनिया में अरबों लोग 'कूलिंग पॉवर्टी' (ठंडक की कमी) का सामना कर रहे हैं। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि दो अरब से ज्यादा लोग ऐसी स्थिति में रहते हैं जिसे वे कूलिंग पॉवर्टी कहते हैं। यानी वे खतरनाक गर्मी का सामना करते हैं और उनके पास ठंडक पाने के सुरक्षित या सस्ते तरीके नहीं होते। ये नतीजे ऐसे समय में आए हैं जब दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में इन गर्मियों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। इतनी ज्यादा गर्मी ये जरूरी सवाल खड़े करती है कि सबसे ज्यादा खतरे में कौन है और उनकी सुरक्षा के लिए क्या किया जा सकता है। आमतौर पर लोग मान लेते हैं कि इन लोगों को बस एक एयर कंडीशनर की जरूरत है। शोधकर्ता इस सोच को बदलना चाहते हैं। यूरो-मेडिटेरेनियन सेंटर ऑन क्लाइमेट चेंज के वैज्ञानिक जियाकोमो फाल्चेटा ने कहा, कूलिंग पॉवर्टी का मतलब ऐसे हालात से है जहां लोगों को ताप सुरक्षा नहीं मिल पाती और इसकी वजह सिर्फ यह नहीं है कि उनके पास एयर कंडीशनर नहीं है।

वैसे भी, एयर कंडीशनर बांटने से कोई लाभ नहीं होगा। वे बहुत ज्यादा बिजली की खपत करते हैं और कमजोर पावर ग्रिड पर बोझ डालते हैं। हम इस संकट से निपटने के लिए सिर्फ एयर कंडीशनर का सहारा नहीं ले सकते। गरीबी गर्मी के असर को और बढ़ा देती है। स्टडी से पता चलता है कि गर्मी गरीबी, खराब घरों और कमजोर सार्वजनिक सेवाओं के साथ मिलकर नुकसान पहुंचाती है। पहला खतरा तो घर ही है। कमज़ोर बनावट वाला घर आपको गर्मी से नहीं बचाता; बल्कि वह गर्मी को अंदर ही रोककर रखता है।

शहरों में रहने वाले लाखों गरीब लोग टिन या एस्बेस्टस की छतों के नीचे रहते हैं, जिससे घर के अंदर का तापमान बाहर की हवा के मुकाबले पांच डिग्री तक ज्यादा हो सकता है। जब बिजली बार-बार जाती है और पानी सुरक्षित नहीं होता, तो पर्याप्त पानी पीना और शरीर को ठंडा रखना भी मुश्किल हो जाता है। दूसरा खतरा सेहत से जुड़ा है। जब भीषण गर्मी शरीर की सहनशक्ति से बाहर हो जाती है,तो जान बचाने के लिए अक्सर तुरंत मदद की जरूरत होती है।

जिन देशों में क्लिनिक कम हैं या दूर हैं, वहां गर्मी से होने वाली बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। तीसरा खतरा काम से जुड़ा है। किसान, निर्माण कार्य करने वाले और सड़क किनारे सामान बेचने वाले लोग घंटों तक खुली धूप में काम करते हैं और वे किसी ठंडे कमरे में नहीं जा सकते। उनके शरीर को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है,क्योंकि यह गर्मी ज्यादातर नमी वाली होती है, जिससे पसीना त्वचा को ठंडा नहीं कर पाता। इन मुश्किलों का असर सब पर एक जैसा नहीं होता।

महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और सबसे गरीब परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। अक्सर यही लोग खराब घरों में रहते हैं। उन्हें स्वास्थ्य सेवा और जानकारी नहीं मिल पाती, और खुद को बचाने के लिए उनके पास कोई अतिरिक्त साधन नहीं होता। अगर समुदायों के पास गर्मी से निपटने के साधन हों, तो इसके असर को कम किया जा सकता है। अच्छी बात यह है कि आसान और कम खर्चीले उपाय भी कारगर होते हैं। छतों को सफेद रंगने से कमरे का तापमान कई डिग्री कम हो सकता है। पुआल और मिट्टी से सस्ता इंसुलेशन (तापमान रोकने वाली परत) बनाया जा सकता है। पेड़ लगाने, तालाबों और पार्कों को ठीक करने और निःशुल्क पानी की सुविधा वाले सार्वजनिक शेल्टर खोलने जैसे उपायों से पूरे इलाके को बिना किसी एयर कंडीशनर के ठंडा रखने में मदद मिलती है। निःसंदेह, तेजी से गर्म होती दुनिया में ढालने के लिए सरकारों, संस्थाओं और लोगों को मिलकर कोशिश करनी पड़ेगी। छतों पर सफेद पेंट को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि सफेद पेंट सूरज की अधिकांश रोशनी को परावर्तित करके कमरों को ठंडा रखता है। सरकार को इसके लिए विशेष जन अभियान चलाना चाहिए। चूंकि गर्मी महिलाएं और पुरुषों को अलग-अलग ढंग से प्रभावित करती है, नीति-निर्धारकों को इस अंतर का भी ध्यान रखना पड़ेगा।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

तालपुरी बी ब्लॉक में वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण

भिलाई। तालपुरी इंटरनेशनल कॉलोनी रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा हेतु तालपुरी बी ब्लॉक में निर्मित अतिरिक्त कक्ष का दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने विधिवत लोकार्पण कर वरिष्ठजनों को समर्पित किया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर एवं अनुभव का अनमोल खजाना हैं। वे बरगद के विशाल वृक्ष के समान हैं, जिनकी छांव में परिवार, समाज और संस्कारों की पीढ़ियां विकसित होती हैं। उनका मार्गदर्शन, आशीर्वाद और जीवन अनुभव हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। श्री चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुविधाओं के लिए लगातार कार्य कर रही है। सामाजिक संस्थाओं द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयास सराहनीय हैं। समाज का दायित्व है कि हम अपने बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं और सम्मानजनक जीवन दें।

पार्षद पार्वती महानंद को कारण बताओं नोटिस जारी

दुर्ग। दुर्ग संभाग के आयुक्त एस.एन. राठौर ने छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा–19 (1) (अ–1) के तहत नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड क्रमांक 38 (स्टोर पारा, पुरैना) की वर्तमान पार्षद कुमारी पार्वती महानंद को नोटिस जारी कर आगामी 25 जून 2026 तक अपना जवाब प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर दिया है। ज्ञात हो कि वर्ष 2021 के नगरीय निकाय चुनाव में कुमारी पार्वती महानंद ने रिसाली निगम के वार्ड क्रमांक 38 (आरक्षित सीट) से स्वयं को गांडा जाति अनुसूचित जाति का बताकर चुनाव लड़ा था और विजयी हुई थीं। इसके बाद, रिसाली भिलाई निवासी राहुल वर्मा आत्मज बिसेन्द्र कुमार वर्मा ने उनके जाति प्रमाण पत्र पर आपत्ति जताते हुए तहसीलदार कार्यालय कोमाखान (जिला–महासमुंद) में शिकायत दर्ज कराई थी।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के जिला स्तरीय शिविर की तैयारियां पूर्ण

दुर्ग। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के अंतर्गत 11 जून 2026 गुरुवार को दुर्ग में जिला स्तरीय स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक नगर पालिक निगम दुर्ग के श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित होगा। शिविर में स्ट्रीट वेंडर्स को योजना के तहत ऋण स्वीकृति, क्रेडिट कार्ड वितरण, ऑनलाइन आवेदन, सामाजिक प्रोफाइलिंग तथा विभिन्न शासकीय लाभों की जानकारी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए रणनीतिक प्राथमिकताओं को दी नई धार

वैश्विक अस्थिरता के बीच अपनी स्थिति और निरंतरता को किया मजबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025–26 की मजबूत मोमेंटम को जारी रखते हुए वित्त वर्ष 2026–27 के लिए अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार की है। कंपनी कस्टमर एंगेजमेंट और कॉस्ट ऑप्टिमाइजेशन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के साथ–साथ वैल्यू–एडेड और विशेष इस्पात उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने को प्राथमिकता दे रही है। इसके साथ ही, कंपनी अपनी क्षमता विस्तार योजनाओं के प्रति भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जो सरकार के 'विकसित भारत @2047' के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। यह कदम कंपनी द्वारा हाल ही में घोषित वित्त वर्ष 2025–26 के वित्तीय परिणामों के बाद उठाया गया है।

उभरती वैश्विक अस्थिरता से उत्पन्न कई चुनौतियों के बावजूद, SAIL ने पिछले वर्ष की समान अवधि (CPLY) की तुलना में वित्त वर्ष 2025–26 में 11.75% की मजबूत एबिटडा (EBITDA) वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान कंपनी के टैक्स के बाद लाभ (PAT) और टैक्स से पहले लाभ (PBT) में क्रमश: 950% और 944% की बढ़ोत्तरी हुई, और इसके साथ ही कंपनी ने पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले अपने कर्ज में 8,148 करोड़ रुपये की कमी की।

भविष्य के दृष्टिकोण पर टिप्पणी करते हुए, SAIL के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा: वित्त वर्ष 2025–26 में हमारा प्रदर्शन विपणन (मार्केटिंग) पहलों, उत्पादन में सुधार, दक्षता लाभ और बेहतर वित्तीय रणनीतियों के संयुक्त प्रभाव को दर्शाता है, जिसने हमारे कारोबार (टॉप लाइन) और शुद्ध लाभ (बॉटम लाइन) दोनों को मजबूत किया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ है और मजबूत सिनर्जी के साथ, हम अपने वित्त वर्ष 2026–27 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने आगे कहा, आगे बढ़ते हुए, हमारा जोर ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने, लागत अनुकूलन और भारत की बढ़ती बुनियादी ढांचे (इंफास्ट्रक्चर) तथा औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष स्टील्स के अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने पर रहेगा।

इसके साथ ही, हम वर्किंग कैपिटल उधारी को कम करना जारी रखेंगे, जिसके कारण मुनाफे में उल्लेखनीय सुधार आने लगा है। वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान, स्कुरुने कई ऐसी पहलें कीं जिससे उसकी प्रतिस्पर्धात्मकता और सुदृढ़ता में सुधार हुआ। इनमें रिटेल नेटवर्क का विस्तार, ग्राहकों तक पहुंच और डिलीवरी में नए प्रयोग, निर्यात व बाजार विविधीकरण, गोदामों (वेयरहाउस) का आधुनिकीकरण, उत्पाद श्रृंखलाओं में विविधता लाना, टेक्नो–इकोनॉमिक मापदंडों में सुधार और ब्रांड प्रमोशन शामिल रहे।

कंपनी ने और अधिक सस्टेनेबल स्टील निर्माता बनने और पर्यावरणीय लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए, कोक रेट, फ्यूल रेट, ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता और ऊर्जा की खपत जैसे तकनीकी और आर्थिक पैमानों में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है, जो निरंतर प्रचालन उत्कृष्टता को दर्शाते हैं। इसके साथ ही, कंपनी ने 28 नए प्रोडक्ट भी तैयार किए हैं।

इससे कंपनी के उत्पादों की रेंज बढ़ी है और अलग–अलग ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की उसकी क्षमता मजबूत हुई है। इन सभी उपायों ने मिलकर बाजार में कंपनी की स्थिति को सुदृढ़ किया और निरंतर विकास की नींव रखी। भविष्य में भी SAIL पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों को अपनाने, मुनाफा बढ़ाने और सस्टेनेबल स्टीलमेकिंग के रास्ते पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है।

विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं के मध्य समन्वय विषयक सेमीनार संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित निराकरण हेतु दिनांक 18 जुलाई 2026 को आयोजित की जाने वाली विशेष लोक अदालत के सफल संचालन एवं व्यापक जन–जागरूकता के उद्देश्य से आज नवीन सभागार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में एक सेमीनार का आयोजन किया गया।

सेमीनार में जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशगण, जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण, जिला दुर्ग से चयनित स्टेट बार काउंसिल के सदस्य, न्यायालयीन अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विशेष लोक अदालत के उद्देश्य, महत्व एवं उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई तथा धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के शीघ्र, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण में लोक अदालत की प्रभावी भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के वक्ताओं ने विषय वस्तु पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए अधिवक्ताओं से विशेष लोक अदालत के संबंध में अपने–अपने पक्षकारों को जागरूक करने तथा समझौता योग्य प्रकरणों को चिन्हांकित कर लोक अदालत के माध्यम से निराकरण हेतु प्रेरित करने का आग्रह किया।

अपने उद्बोधन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने कहा कि विशेष लोक अदालत न्याय को सरल, सुलभ एवं त्वरित रूप से जनसामान्य तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिवक्तागण से अधिकाधिक समझौता योग्य प्रकरणों को चिन्हित कर विशेष लोक अदालत में प्रस्तुत कराने तथा पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों से अवगत कराने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि न्यायपालिका एवं अधिवक्ता समुदाय के समन्वित प्रयासों से बड़ी संख्या में प्रकरणों का सौहार्दपूर्ण निराकरण संभव हो सकेगा।

जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग के अध्यक्ष ने भी अपने उद्बोधन में विशेष लोक अदालत की सफलता में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए सभी अधिवक्ताओं से सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा अधिकाधिक उपयुक्त प्रकरणों को विशेष लोक अदालत के माध्यम से निराकृत कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के सहयोग से पक्षकारों को त्वरित एवं प्रभावी न्याय प्राप्त होगा तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के बोझ को कम करने में भी सहायता मिलेगी।

महापौर बाघमार ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में महापौर अलका बाघमार ने मंगलवार को आजाद वार्ड, कैलाश नगर और शहीद भगत सिंह वार्ड में लगभग 76.21 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य एवं पार्षद शिव नायक, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, लोकेश्वर ठाकुर, सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, उप अभियंता मोहित मरकाम सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान वार्ड क्रमांक 37 आजाद वार्ड तथा वार्ड क्रमांक 18 एवं 19 में कैलाश नगर तालाब से नहर रोड और आदित्य नगर चौक से जवाहर नगर नाला तक निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा और नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं मिल सकेंगी।

इसके अलावा शहीद भगत सिंह वार्ड क्रमांक 19 में राजेश यादव के घर से प्राथमिक शाला मानसिंग के घर तक, नशामुक्ति केंद्र के सामने से वार्ड क्रमांक 18 तक तथा सांई मेडिकल से सरजू के घर के सामने तक नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

भिलाई से निकली पुस्तक को राष्ट्रीय पहचान; डॉ. दीपक दास महापात्र की पुस्तक बनी अमेज़न पर 'बेस्ट सेलर'

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र का नाम देश में इस्पात उत्पादन और औद्योगिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, लेकिन अब यह चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इसका ताज़ा उदाहरण जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. दीपक कुमार दासमहापात्र की पुस्तक क्वालिटी मैनेजेमेंट इन ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एंड एसओपी ऑफब्लड सेंटर है, जिसने प्रकाशन के तुरंत बाद अमेज़न पर 'हेमेटोलॉजी' एवं 'ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन' श्रेणी में '#1 बेस्ट सेलर' का स्थान प्राप्त किया है।

इनोवेटिव पब्लिकेशन द्वारा 4 मई 2026 को प्रकाशित इस पुस्तक को चिकित्सा क्षेत्र में गुणवत्ता प्रबंधन और रक्त सेवा संचालन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण संदर्भ पुस्तक माना जा रहा है। पुस्तक में ब्लड सेंटर के संचालन, गुणवत्ता मानकों, लाइसेंसिंग प्रक्रिया, सुरक्षा प्रोटोकॉल तथा विभिन्न स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर को व्यावहारिक और व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया गया है। यही कारण है कि चिकित्सा शिक्षकों, पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों, मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट और ब्लड सेंटर प्रबंधकों के बीच इसे व्यापक सराहना मिल रही है। डॉ. दीपक कुमार दासमहापात्र वर्तमान में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग में कंसलटेंट के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। एमबीबीएस और एमडी के साथ वे अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रबंधन, कॉर्पोरेट लॉ, क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी तथा रिस्क मैनेजमेंट जैसे विविध क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता रखते हैं। इस पुस्तक के सह–लेखकों में संदीप कुमार पांडे, डॉ. अनुराधा पांडा और डॉ. बबीता एक्का शामिल हैं। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष महत्व रखती है क्योंकि जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय का ब्लड सेंटर एनएबीएच मान्यता प्राप्त है, जो छत्तीसगढ़ तथा सेल अस्पतालों की पूरी श्रृंखला में अपनी तरह का पहला ब्लड सेंटर है। पुस्तक को एनएबीएच और जेसीआई जैसे अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिससे यह केवल एक शैक्षणिक पुस्तक नहीं, बल्कि गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं का व्यावहारिक मार्गदर्शक भी बन गई है। पुस्तक की प्रमुख विशेषताओं में ब्लड सेंटर लाइसेंसिंग, ओएनडीएलएस पोर्टल पंजीकरण, गुणवत्ता नीति, ऑडिट प्रणाली तथा प्रयोगशाला स्तर पर आने वाली जटिल चुनौतियों के समाधान को शामिल किया गया है। एबीओ विसंगतियों, पॉजिटिव डीएटी परिणामों तथा रक्त अनुकूलता से जुड़े मामलों के लिए त्वरित संदर्भ तालिकाएँ और विस्तृत प्रोटोकॉल इसे चिकित्सा पेशेवरों के लिए और अधिक उपयोगी बनाते हैं। डॉ. दासमहापात्र का मानना है कि सुरक्षित रक्त सेवा केवल तकनीकी प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे चिकित्सकों, तकनीशियनों, नर्सिंग स्टाफऔर स्वैच्छिक रक्तदाताओं की एक समर्पित श्रृंखला कार्य करती है। पुस्तक के माध्यम से उन्होंने उन सभी लोगों के योगदान को रेखांकित करने का प्रयास किया है, जो प्रतिदिन अनगिनत मरीजों के जीवन की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भिलाई से प्रकाशित इस पुस्तक की राष्ट्रीय स्तर पर मिली सफलता न केवल लेखक की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह भिलाई इस्पात संयंत्र और जेएलएन अस्पताल की उस ज्ञान–परंपरा का भी प्रमाण है, जो औद्योगिक उत्कृष्टता के साथ–साथ चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी नए मानक स्थापित कर रही है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भिलाई अब केवल इस्पात निर्माण का केंद्र नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और चिकित्सा उत्कृष्टता का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है।

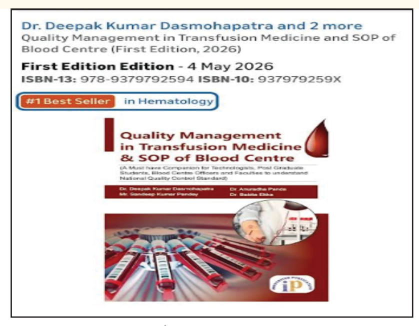

भिलाई के सुरक्षा प्रभागों ने जाना स्व शक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण का महामंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय तथा राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के सुरक्षा प्रभाग द्वारा रक्षित आरक्षी केंद्र दुर्ग से स्व सशक्तिकरण से राष्ट्र का सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर जी ने सुकमा कोंटा में शहीद हुए आकाश राव गिरेपूंजे जी के प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 2 मिनट मौन में रहकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत की।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के ज्वाइंट डायरेक्टर कैप्टन शिव सिंह जी ने बताया कि फिजिकल ट्रेनिंग में हम सब दक्ष होते हैं लेकिन मन से स्ट्रांग सशक्त होना भी आवश्यक है। शांत मन और स्वस्थ शरीर के साथ देश की सुरक्षा में हमारा योगदान सर्वोपरि है। स्थर शांत मन शक्तिशाली होता है मन को शांत और बुद्धि को एकाग्र करना आवश्यक है, स्थिर शांत मन शक्तिशाली होता है। हम मन से कमजोर है तो परिस्थितियों हम पर भारी है। हम उन चीजों को कंट्रोल करने की कोशिश करते हैं जो हमारे कंट्रोल में नहीं है, जिससे हमें तनाव का सामना करना पड़ता है।

प्रकृति का नियम है कमजोर को शक्तिशाली प्रभावित करता है अगर मैं शक्तिशाली हूं तो मेरा प्रभाव कमजोर चीजों पर पड़ेगा इसीलिए मुझे अंदर से शक्तिशाली बनना है। शैलेंद्र सिंह माउंट आबू नेशनल कोऑर्डिनेटर सिक्योरिटी सर्विसेज विंग ने कहा कि आध्यात्मिकता कठिन नहीं बहुत सरल है,अपने बारे में जानना ही आध्यात्मिकता है, हमारे अंदर आंतरिक शक्तियां हैं जिसे राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से हमारे व्यवहार और स्वरूप में लाना है। आज हजारों चैनल है और अनगिनत बातें सोशल मीडिया हमारे मोबाइल के द्वारा हमारे हाथ में है,तो हम जितना ज्यादा सोचेंगे देखेंगे वह हमारे संकल्पों के द्वारा फैलता है। प्रॉब्लम मन में है और हम इलाज शरीर का करवाते हैं। सेवानिवृत कर्नल बी सती जी ने सुरक्षा जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को मुश्किलों के समय में कार्य स्थल पर जाना पड़ता है। आपने कारगिल युद्ध के समय अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि आध्यात्मिकता कहती है कि दुख देना गलत है,लेकिन दुश्मन को खत्म करना देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है यदि मैं यह कार्य काम, क्रोध, लोभ, मोह, के वश होकर किया तो वह विकर्म बनता, लेकिन मैंने देश की सुरक्षा के लिए दुश्मनों का संहार किया। आध्यात्मिकता हमें सही और गलत का फर्क बताती है कि हम कर्म किस भाव से कर रहे हैं। मोटिवेशनल ट्रेनर ई वी स्वामीनाथ जी ने बताया कि मन का भोजन अच्छे या बुरे विचार होते हैं हमारे विचार ब्रेन को पॉपकॉर्न की तरह एक–एक मिनट में स्विच बदलता है जितना ज्यादा स्विच होगा उतना ज्यादा तनाव होगा।

निगेटिव विचार से मन की बैटरी जल्दी डिस्चार्ज हो जाती है। विचार शून्य हो जाना मेडिटेशन एकाग्रता नहीं है विचार रुकते नहीं है उन्हें दिशा देना पड़ता है विचारों का उत्पन्न होना ही प्रमाण है कि मैं जीवित हूं। अपने महाभारत में कौरव पांडवों को गुरु द्रोणाचार्य जी की एकाग्रता की शिक्षा के बारे में बताया कि आज की शिक्षा प्रणाली में एकाग्रता को छोड़कर सभी विषय मौजूद है। परमात्मा को चिंता तनाव सौंप कर उसका बच्चा बनकर रहे ब्रह्माकुमारी दीपा दीदी जी ने सभी अधिकारी और जवानों को होमवर्क दिया कि आप सभी रात्रि को सोने से पहले अपने पद पोजीशन चिंता तनाव को परमात्मा को सौंपकर (आई एम गॉड ऑफ चाइल्ड) मैं परमात्मा का बच्चा हूं मेरी जिम्मेदारी आपकी 5 मिनट के अभ्यास करके ही सोये। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी, ब्रह्माकुमारी दीपा दीदी जी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई।

Since 1972
CROWN-TV ®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

नैनो उर्वरकों ने बढ़ाया किसानों का भरोसा, कम लागत में मिला बेहतर उत्पादन

रायपुर। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का बढ़ता उपयोग किसानों की आय और उत्पादकता में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। दुर्ग जिले के ग्राम डूंडेरा के प्रगतिशील किसान पुरेंद्र कुमार यादव इसकी एक प्रेरणादायक मिसाल बनकर सामने आए हैं। उन्होंने धान की खेती में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग कर न केवल उत्पादन में सुधार हासिल किया, बल्कि खेती की लागत में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की है। श्री यादव ने बताया कि कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी फसल में नैनो उर्वरकों का प्रयोग किया। इसके परिणामस्वरूप फसल को संतुलित एवं प्रभावी पोषण मिला, जिससे पौधों की वृद्धि बेहतर हुई और उत्पादन की गुणवत्ता में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिला। उनके अनुसार नैनो उर्वरकों के उपयोग से फसल अधिक स्वस्थ और मजबूत दिखाई दी, जिसका सीधा लाभ उपज पर भी पड़ा। उन्होंने बताया कि पारंपरिक बोरा बंद उर्वरकों की तुलना में नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का उपयोग अधिक सुविधाजनक और किफायती साबित हुआ।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ सुदेल राम यादव का पक्के घर का सपना

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हारी कला निवासी सुदेल राम यादव इसकी एक प्रेरक मिसाल हैं, जिनका वर्षों पुराना पक्के घर का सपना अब साकार हो चुका है। सीमित आय के कारण सुदेल राम यादव और उनकी पत्नी लंबे समय तक कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। बरसात, गर्मी और अन्य मौसम संबंधी कठिनाइयों के बीच उनका जीवन संघर्षपूर्ण था। आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण स्वयं पक्का मकान बनवाना उनके लिए संभव नहीं था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके लिए आशा की नई किरण बनकर सामने आई। वर्ष 2025 में योजना के तहत उन्हें आवास निर्माण के लिए 1 लाख 20 हजार रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई 18 को

दुर्ग। महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आगामी 18 जून 2026 को दुर्ग जिले में एक वृहद जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यह जनसुनवाई 18 जून को पूर्वान्ह 11.00 बजे से बाल गृह परिसर, पांच बिल्डिंग स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय, दुर्ग के 'प्रेरणा सभाकक्ष' में आयोजित की जाएगी। इस सुनवाई पीठ की अध्यक्षता अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सदस्यगण ओजस्वी मण्डावी व सुश्री दीपिका शोरी द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी, जिसमें महिला उत्पीड़न से जुड़े कुल 49 निर्धारित प्रकरणों पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका मौके पर ही निपटारा किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी से मिली जानकारी के सुनवाई की सुचारू कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए महिला आयोग द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं।

प्रभारी सचिव अंकित आनंद ने की जिले के विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा

स्वास्थ्य, शिक्षा, अधोसंरचना, कृषि, आवास, पेयजल, राशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ पशुपालन, मत्स्यपालन और उद्यानिकी को बढ़ावा देने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जशपुर जिले के प्रभारी सचिव अंकित आनंद ने जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, अधोसंरचना, कृषि, पेयजल, आवास, सामाजिक सुरक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव ने सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी प्रकरणों का गंभीरतापूर्वक एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान सभी राजस्व प्रकरणों का ऑनलाइन पंजीयन एवं अद्यतन रिकॉर्ड संधारण सुनिश्चित करने पर बल दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) के तहत स्वीकृत एवं प्रगतिरत आवास निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों, निविदा प्रक्रिया एवं अपूर्ण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने कहा। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा जिन गांवों में भूजल स्तर कम है वहां पेयजल आपूर्ति के लिए वैकल्पिक एवं स्थायी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव ने जिले में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज, 220 बिस्तरीय चिकित्सालय, शासकीय नर्सिंग कॉलेज, फिजियोथेरेपी महाविद्यालय तथा अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों के निर्माण एवं स्थापना संबंधी कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने खरीफएवं रबी फसलों के रकबे, खाद-बीज की उपलब्धता तथा भंडारण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने किसानों की आय में वृद्धि के लिए दलहन, तिलहन, उद्यानिकी, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अपेक्स बैंक, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक एवं सहकारिता विभाग के समन्वय से किसानों को खेती, डेयरी, मत्स्यपालन एवं कृषि आधारित उद्यमों के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि इच्छुक किसान बड़े स्तर पर उत्पादन एवं व्यवसाय का विस्तार कर सकें।

खाद्य विभाग की समीक्षा के दौरान राशन कार्डों के नवीनीकरण, नए राशन कार्डों की स्वीकृति तथा उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्नों के समय पर भंडारण एवं वितरण की स्थिति का जायजा लिया गया। शिक्षा विभाग से स्कूलों में पाठ्यपुस्तक एवं यूनिफॉर्म वितरण तथा महिला एवं बाल विकास विभाग से महतारी वंदन योजना, ई-केवाईसी, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए।

प्रभारी सचिव ने समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया कि ऐसे दिव्यांग, वृद्ध एवं असहाय हितग्राहियों की पहचान कर सूची तैयार की जाए, जो पेंशन प्राप्त करने के लिए बैंक तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे हितग्राहियों को बीसी सखी के माध्यम से घर पहुंच पेंशन भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही कृत्रिम अंग, श्रवण यंत्र, चश्मा, बैसाखी एवं अन्य सहायक उपकरणों की आवश्यकता वाले हितग्राहियों को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कलेक्टर रोहित व्यास ने बताया कि जिले में सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में कुल 35 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 15 हजार 846 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 11 हजार 205 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है तथा शेष आवेदनों का भी प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अनुरूप जिले में मेडिकल कॉलेज, 220 बिस्तरीय अस्पताल, शासकीय नर्सिंग कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, फिजियोथेरेपी महाविद्यालय एवं क्रिटिकल केयर सेंटर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में 1 लाख 12 हजार 618 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 93 हजार 506 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं।

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने बताया कि मनरेगा अंतर्गत मजदूरी भुगतान नियमित रूप से किया जा रहा है। जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जिले में 6 मॉडल अमृत सरोवर चयनित किए गए हैं। इसके अलावा आजीविका डबरी के 495, वाटर रिचार्ज के 461, पारंपरिक जल स्रोतों के जीर्णोद्धार के 1,437 तथा सोक पिट निर्माण के 3,050 कार्य स्वीकृत एवं प्रगतिरत हैं।

समीक्षा बैठक में मनरेगा, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, वन विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, पीएम जनमन योजना, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यानिकी, खाद्य, मत्स्यपालन, पशुपालन, जल संसाधन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, शिक्षा, समाज कल्याण, श्रम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, क्रेडा तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना सहित विभिन्न विभागों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव से क्रिकेटर आयुष पाण्डेय ने की सौजन्य मुलाकात

छत्तीसगढ़ के उभरते क्रिकेटर आयुष को श्रीलंका दौरे के लिए इंडिया-ए टीम में मिली है जगह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव से छत्तीसगढ़ के उभरते क्रिकेटर और श्रीलंका दौरे के लिए इंडिया-ए टीम में चुने गए आयुष पाण्डेय ने सौजन्य मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान साव ने उन्हें भारतीय टीम में चयन पर बधाई दी। उन्होंने श्रीलंका में अच्छे प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आयुष के खेल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी प्रतिभा, क्षमता, मेहनत और प्रदर्शन से इंडिया-ए टीम में जगह बनाई है।

यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है। छत्तीसगढ़ की ओर से रणजी ट्रॉफी में वे लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अपने अच्छे प्रदर्शन और दमखम से उन्होंने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

रणजी ट्रॉफी में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर चर्चा में आए आयुष आयुष पाण्डेय छत्तीसगढ़ के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक हैं। वे बाएं हाथ के आक्रामक ओपनर बैट्समैन हैं। वे रणजी ट्रॉफी में लगातार बड़े स्कोर कर चर्चा में आए हैं। उनमें नई गेंद को अच्छी तरह खेलने और लंबे समय तक बल्लेबाजी करने की क्षमता है। आक्रामक बल्लेबाजी और कवर ड्राइव उनकी ताकत है। ध्रुव जुरेल की कप्तानी में दो टेस्ट मैच खेलने श्रीलंका जा रही 15 सदस्यीय भारतीय टीम में चयनकर्ताओं ने ओपनिंग बैट्समैन के रूप में आयुष पाण्डेय पर भरोसा जताया है। रायपुर के रहने वाले 23 साल के आयुष पिछले तीन सीजन से छत्तीसगढ़ के लिए रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। वे सेंट्रल जोन की टीम से दलीप ट्रॉफी खेल चुके हैं। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी और सी.के. नायडू ट्रॉफी में भी अपनी प्रतिभा दिखाई है।

आयुष ने रणजी ट्रॉफी में एक दोहरा शतक सहित चार शतक लगाए हैं। उन्होंने 2024 में तमिलनाडु के खिलाफ अपना पहला रणजी शतक (124 रन) लगाया था। उन्होंने 2024-25 के सीजन में असम के विरुद्ध 211 रन की यादगार पारी खेली थी। वे रणजी मैचों में दिल्ली (161 रन) और मुंबई (117 रन) जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी शतक लगा चुके हैं।

आयुष नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इन दिनों चल रहे सीसीपीएल (छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग) में बिलासपुर बुल्स की कप्तानी कर रहे हैं। वे लगातार चौथा सीजन खेल रहे हैं। वे टी-20 में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

नैनो डीएपी और नैनो यूरिया ने बदली खेती की तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का सफल उपयोग किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बेमेतरा जिले के विकासखंड नवागढ़ के ग्राम उमरिया निवासी प्रगतिशील किसान श्री तेजराम साहू ने नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग कर खेती में अच्छी सफलता प्राप्त की है। उनकी यह उपलब्धि आज क्षेत्र के अनेक किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है।

तेजराम साहू वर्षों से कृषि कार्य से जुड़े हैं। वे बताते हैं कि लगातार बढ़ती कृषि लागत और उर्वरकों के अधिक उपयोग के बावजूद अपेक्षित उत्पादन प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो रहा था। इसी दौरान कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्हें नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया की जानकारी मिली। वैज्ञानिक खेती की अवधारणा को अपनाते हुए उन्होंने अपनी फसलों में इन उर्वरकों का प्रयोग करने का निर्णय लिया।

शुरुआत में उन्होंने सीमित क्षेत्र में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग किया। परिणाम उत्साहजनक रहे। फसल की बढ़वार बेहतर हुई, पौधों की जड़ें अधिक मजबूत बनीं तथा फसल स्वस्थ एवं हरी-भरी दिखाई देने लगी। पोषक तत्वों की प्रभावी उपलब्धता के कारण फसल की उत्पादन क्षमता में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला।

श्री साहू के अनुसार नैनो उर्वरकों के उपयोग से उर्वरकों की आवश्यकता कम हुई, जिससे खेती की लागत में कमी आई। वहीं उत्पादन में वृद्धि होने से आर्थिक लाभ भी बढ़ा। इस प्रकार कम संसाधनों में अधिक उत्पादन प्राप्त कर खेती पहले की तुलना में अधिक लाभकारी सिद्ध हुई।

दवा क्रय एवं आपूर्ति की प्रक्रिया पूर्ण रूप से गुणवत्ता के मानकों पर आधारित: सीजीएमएससी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सीजीएमएससी से मिली जानकारी के अनुसार फर्म **nicure India Ltd.** द्वारा 18 मई 2026 को छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कारपोरेशन लिमिटेड को सूचना प्रदान किया है। इसके अनुसार फर्म को मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेस कारपोरेशन लिमिटेड भोपाल द्वारा दिनांक 08 मई 2026 को दवा के 3 बैचों को शासकीय प्रयोगशालाओं द्वारा गुणवत्ता परीक्षण में अमानक घोषित किये जाने के परिणाम स्वरुप फर्म ब्लैकलिस्ट किया गया है।

उक्त दवा के एक बैच का मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेस कारपोरेशन लिमिटेड भोपाल द्वारा पूर्व में ही Product blacklisting किये जाने के परिणामस्वरूप दवा Lactulose Solution IP 10 gm/15 ml -100 ml bottle के दर अनुबंध को छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कारपोरेशन लिमिटेड की निविदा नियमानुसार ब्लॉक कर सम्बंधित क्रयादेशों को निरस्त किये जाने की कार्यवाही की गयी थी। फर्म nicure India Ltd. द्वारा प्रेषित सूचना के साथ संलग्न ब्लैकलिस्टिंग आदेश में यह भी उल्लेखित है कि उक्त आदेश, पूर्व में क्रय की गयी या जारी किये जा चुके क्रयादेशों पर लागू नहीं होगा, बशर्ते वे गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों ढ्ढ उक्त फर्म द्वारा प्रदायित दवाओं का छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कारपोरेशन लिमिटेड के अनुबंधित **NABL** प्रयोगशालाओं से मानक गुणवत्तायुक्त प्रतिवेदन पाए जाने पर दवा का वितरण किया गया है। फर्म **Unicure India Ltd.** द्वारा प्रेषित सूचना के साथ यह भी उल्लेखित किया गया है कि उनके द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, मुख्य पीठ जबलपुर के समक्ष वाद प्रस्तुत किया गया है, जिसकी सुनवाई दिनांक 10 जून 2026 को नियत की गयी है।

आजादी के 78 साल बाद अबुझमाड़ के मयूरीपारा तक पहुंची विकास की राह

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बदली तस्वीर, ग्रामीणों को मिली आवागमन, शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीजापुर जिले के भैरमगढ़ विकासखंड के अतिसंवेदनशील और पूर्व नक्सल प्रभावित अबुझमाड़ क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। वर्षों तक विकास से दूर रहे मयूरीपारा तक अब सड़क पहुंचने से लोगों को बेहतर आवागमन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलने लगा है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बैल से मयूरीपारा तक 16 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना में अब तक 13 किलोमीटर मिट्टीकृत सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है। साथ ही मुरूमीकरण और छह पुलियों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार शेष कार्य जून माह में पूरा कर लिया जाएगा।

ग्राम बैल की सरपंच श्रीमती जुग्गी अठामी ने बताया कि लंबे समय तक सड़क सुविधा नहीं होने के कारण ग्रामीणों को दैनिक जरूरतों, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य कार्यों के लिए घने जंगलों से होकर कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। बरसात के मौसम में नदी पार करने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ता था, जिससे समय और परेशानी दोनों बढ़ जाते थे। उन्होंने बताया कि आजादी के 78 वर्षों बाद भी यह क्षेत्र नक्सल प्रभाव और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर था। अब सड़क निर्माण से हालात तेजी से बदल रहे हैं और लोगों को बड़ी राहत मिली है।

सड़क बनने से स्कूली बच्चों का आवागमन आसान हुआ है। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी बेहतर हुई है। अब जरूरत पड़ने पर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना संभव हो रहा है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी सुविधा मिल रही है।

विकास और समृद्धि की नई उम्मीद

ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क केवल एक मार्ग नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद है। बैल से मयूरीपारा मार्ग के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से अबुझमाड़ जैसे दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है।

आईसीएआर-एनआईबीएसएम द्वारा किसानों को उन्नत धान बीजों का वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आईसीएआर राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान , रायपुर द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत धान बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से पचेड़ा, बेलटुकरी एवं बिठिया गांवों के 170 से अधिक किसानों को उन्नत धान बीज उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों के बीच उन्नत धान किस्मों तथा वैज्ञानिक फसल प्रबंधन तकनीकों को बढ़ावा देकर कृषि उत्पादकता एवं किसानों की आय में वृद्धि करना है ।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने किसानों को संबोधित करते हुए सतत कृषि उत्पादन के लिए उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फसल की आवश्यकता एवं मृदा स्वास्थ्य के आधार पर पोषक तत्वों का उचित प्रबंधन न केवल उत्पादन बढ़ाने में सहायक होता है, बल्कि मृदा की उर्वरता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आगामी खरीफमौसम के लिए किसानों को प्रभावी पोषक तत्व प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिससे अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को धान की दो उन्नत किस्मों के बीज वितरित किए गए। पहली किस्म विक्रम टीसीआर है, जो 120-130 दिनों में पकने वाली उच्च उत्पादकता वाली किस्म है तथा इसकी उत्पादन क्षमता 60-70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है। दूसरी किस्म सीजी देवभोग (CG Devbhog) है, जो 135-140 दिनों में पकने वाली मध्यम अवधि की सुगंधित धान किस्म है तथा इसकी औसत उत्पादन क्षमता 35ङ्क37 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। अपनी विशिष्ट सुगंध एवं उत्तम दाना गुणवत्ता के कारण सीजी देवभोग उपभोक्ताओं के बीच अत्यंत लोकप्रिय है और किसानों के लिए बेहतर विपणन अवसर प्रदान करती है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक एवं कार्यक्रम समन्वयक ने किसानों को धान की वैज्ञानिक नर्सरी तैयार करने एवं रोपाई की उन्नत विधियों की जानकारी दी। उन्होंने ऐसी बेहतर प्रबंधन तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की, जिनके माध्यम से किसान कीटों एवं रोगों से होने वाली हानि को कम करते हुए अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों को लाभकारी एवं टिकाऊ धान उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

बीज वितरण कार्यक्रम से पूर्व किसानों ने संस्थान के प्रायोगिक खेत का भ्रमण किया, जहां उन्होंने ग्रीष्मकालीन मूंग में संचालित हरी खाद (ग्रीन मैन्योरिंग) के प्रदर्शन का अवलोकन किया। इस अवसर पर डॉ. योगेश येले एवं डॉ. संदीप अडावी ने हरित खाद के महत्व एवं इसके लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरित खाद मृदा में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा बढ़ाने, पोषक तत्वों की उपलब्धता में सुधार करने तथा दीर्घकालिक मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने किसानों को यह भी अवगत कराया कि हरित खाद का उपयोग संस्थान द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य का संरक्षण एवं पुनर्स्थापन करना है।

किसानों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों की समय पर उपलब्धता एवं संस्थान द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। लाभार्थी किसानों ने विश्वास व्यक्त किया कि उन्नत किस्मों एवं वैज्ञानिक सलाह से उन्हें फसल उत्पादकता बढ़ाने तथा अपनी आजीविका को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. के. सी. शर्मा, नोडल अधिकारी द्वारा किया गया, जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

रश्मिका मंदाना पर बड़ा दांव

पहली बार बायोपिक में निभा सकती हैं ये किरदार....

रश्मिका मंदाना की कामकाजी जिंदगी से जुड़ा एक बड़ा अपडेट आया है। खबर है कि वह पहली बार बायोपिक में दिखेंगी और मशहूर गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं। इसके निर्देशन की कमान गौतम तिन्ननुरी पर है, जिन्हें शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी (2022) के लिए जाना जाता है। इस खबर ने रश्मिका के फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। बता दें, सुब्बुलक्ष्मी कर्नाटक संगीत जगत की महान गायिका थीं। दिसंबर, 2004 में उनका निधन हो गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, रश्मिका को बायोपिक में मशहूर गायिका का किरदार निभाने के लिए चुना गया है। यह भी पता चला है कि हाल ही में अभिनेत्री के घर पर लुक टेस्ट का आयोजन किया गया था।

पहले खबर आई थी कि फिल्म में सुब्बुलक्ष्मी के किरदार के लिए साई पल्लवी का नाम तय किया गया है। फिर खबर आई कि साई की जगह रुक्मिणी वसंत को चुन लिया गया है और अब रश्मिका का नाम सामने आया है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू हो सकती है, लेकिन यह भी ध्यान देने वाली बात है कि फिलहाल फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिलहाल रश्मिका अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 कड़ो लेकर चर्चा में हैं। यह एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें उनके साथ शाहिद और कृति सैनन भी नजर आएंगे।

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अल्फा का टीजर 10 जून को होगा जारी, आलिया भट्ट-शरवरी की दिखेगी पहली झलक

यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान-फिल्म अल्फा काफी वक्त से चर्चा में है। फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य किरदारों में नजर आएंगी। ताजा खबर है कि बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल अल्फा का टीजर दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ाने आ रहा है।

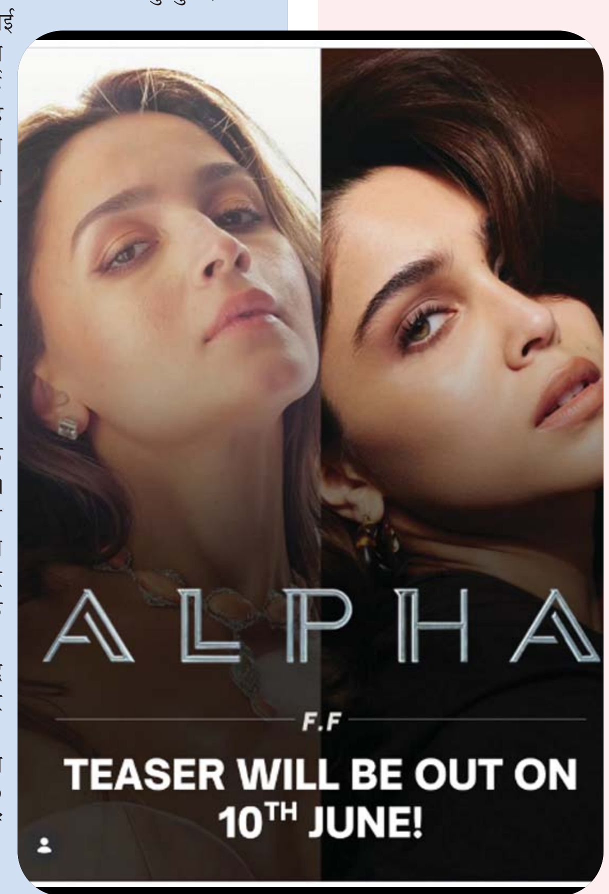

यह पहला मौका होगा जब आलिया और शरवरी एक साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगी। दोनों का एक्शन अवतार देखने के लिए फैंस बेहद उत्साहित हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अल्फा का

टीजर 10 जून को अपनी व्यापक रिलीज के लिए तैयार है। यह टीजर एक ऐसी लड़की की कहानी पर केंद्रित होगा, जिसे एक हत्यारी मशीन बनने के लिए पाला-पोसा जाता है। सूत्र ने कहा, अल्फा का टीजर 10 जून को निश्चित रूप से जारी होगा। इसके बाद एक जोरदार मार्केटिंग और प्रचार अभियान चलाया जाएगा जो फिल्म की कहानी को केंद्र में रखकर आज के भारत के अल्फा रवैये का जश्न मनाएगा।

सूत्र ने आगे कहा, अल्फा का अभियान इस मूल विचार पर आधारित है कि यह सिर्फ एक किरदार या फिल्म का शीर्षक नहीं है; यह एक सोच है। आलिया और शरवरी आधुनिक भारत और उसके युवाओं की मानसिकता का जश्न मनाएंगी, जो अपने आप को लेकर बिल्कुल निडर हैं। अल्फा की रिलीज तारीख 10 जुलाई थी, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि यह 3 जुलाई को आ सकती है। फिल्म में बॉबी देओल और अनिल कपूर भी नजर आएंगे।

कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता से जारी हुआ पहला गाना

कंगना रनौत इमरजेंसी (2025) के डेढ़ साल बाद फिल्म भारत भाग्य विधाता से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। मनोज तापड़िया के निर्देशन में बनी यह फिल्म मुंबई के 26/11 आतंकी हमले के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। कंगना नर्स गीता माधव के किरदार में हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है, जिसे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। अब निर्माताओं ने इसका पहला गाना नब्ज़ नब्ज़ यूट्यूब पर जारी कर दिया है।

जी म्यूजिक कंपनी के आधिकारिक यूट्यूब पर जारी नब्ज़ नब्ज़ गाने को श्रेया घोषाल ने अपने सुरों से सजाया है। इसके बोल खुद निर्देशक ने लिखे हैं, जबकि अमन पंत कंपोजर हैं।

पूरा गाना कंगना के ऊपर फिल्माया गया है और इसमें वह नर्स बनकर अस्पताल में मरीजों की सेवा करते दिख रही हैं। फिल्म में गिरिजा ओक, स्मिता तांबे और आदित्य मिश्रा जैसे सितारे भी नजर आए हैं। यह 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

श्रेया घोषाल ने लगाए सुर

सरगुन मेहता ने स्टाइलिश गाउन में बिखेरा ग्लैमर

कातिल अदाओं से फैंस को किया घायल

सरगुन मेहता ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन फोटोज में एक्ट्रेस पर्पल कलर के स्टाइलिश गाउन में बेहद ग्लैमरस और खूबसूरत नजर आ रही हैं। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस लगातार उनकी तारीफ कर रहे हैं।

सरगुन मेहता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी इंस्टाग्राम पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। एक्ट्रेस अक्सर अपनी ग्लैमरस और स्टाइलिश तस्वीरें शेयर कर फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं। इसी बीच उन्होंने अपनी कुछ नई शानदार फोटोज शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। लेटेस्ट तस्वीरों में सरगुन पर्पल कलर के स्टाइलिश गाउन में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उनका ये ग्लैमरस लुक देखकर फैंस नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। सटल मेकअप और स्ट्रेट हेयर के साथ उनका लुक और भी एलिगेंट लग रहा है। सरगुन ने कैमरे के सामने अलग-अलग पोज देते हुए अपने कॉन्फिडेंट अंदाज से सभी का दिल जीत लिया है।

जैसे ही ये तस्वीरें सामने आईं, सोशल मीडिया पर फैंस ने जमकर प्यार बरसाना शुरू कर दिया। कमेंट सेक्शन में लोग उनकी खूबसूरती और स्टाइल की खूब तारीफ कर रहे हैं। सरगुन ने अपनी इन तस्वीरों से सोशल मीडिया का पारा बढ़ा दिया है। एक फैन ने लिखा, सोना कुड़ी। वहीं दूसरी ने कमेंट किया, क्वीन।

शरीर में दर्द है? इन 5 घरेलू नुस्खों को अपनाएं

शरीर में दर्द होना एक आम समस्या है, खासकर जब हम लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठते हैं या काम करते हैं। यह दर्द कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि मांसपेशियों का खिंचाव, गलत मुद्रा में बैठना या उठना-बैठना। इस लेख में हम कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में जानेंगे, जिन्हें अपनाकर आप इस समस्या से जल्द राहत पा सकते हैं और अपने दैनिक जीवन में आराम महसूस कर सकते हैं।

गर्म पानी की सिकाई करें

गर्म पानी की सिकाई एक पुरानी और असरदार विधि है, जो शरीर के दर्द को कम करने में मदद करती है। इसके लिए एक गर्म पानी की बोतल लें और उसे दर्द वाले हिस्से पर रखें। यह गर्माहट खून के प्रवाह को बढ़ाती है, जिससे मांसपेशियों को आराम मिलता है और दर्द कम होता है। इस विधि का उपयोग आप पीठ, गर्दन या किसी भी हिस्से के दर्द के लिए कर सकते हैं। यह तरीका सुरक्षित और आसान है।

तुलसी की चाय पिएं

तुलसी की चाय न केवल स्वादिष्ट होती है बल्कि इसमें सूजन कम करने वाले गुण भी होते हैं, जो शरीर के दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए कुछ तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें और उसमें थोड़ा शहद मिलाकर पिएं। यह चाय पीने से आपके शरीर को अंदरूनी रूप से ताकत मिलती है और दर्द में राहत मिलती है। रोजाना इस चाय का सेवन करने से आपको अधिक ऊर्जा और ताजगी महसूस होगी।

अदरक का रस निकालकर पीएं

अदरक का रस प्राकृतिक दर्द निवारक होता है, जो सूजन और जलन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए ताजा अदरक काटकर उसका रस निकाल लें या कद्दूकस कर लें। अब इस रस को एक गिलास पानी में मिलाकर पी लें। यह उपाय खासकर मांसपेशियों के दर्द और सूजन के लिए फायदेमंद होता है। अदरक के इस नुस्खे से आपका दर्द जल्दी कम होगा और आप अधिक आराम महसूस करेंगे।

हल्दी वाला दूध पिएं

हल्दी वाला दूध एक पारंपरिक नुस्खा है, जिसे पुराने समय से ही उपयोग किया जा रहा है। इसमें हल्दी का खास तत्व होता है, जो सूजन कम करने में मदद करता है। इसके लिए एक गिलास दूध में आधा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर उबालें और इसे गर्मागर्म पिएं। यह उपाय न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि आपके शरीर को अंदरूनी रूप से ताकत भी देता है और दर्द में राहत प्रदान करता है।

लहसुन की कली चबाएं

लहसुन एक शक्तिशाली औषधीय पौधा है, जिसमें सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो दर्द निवारण में सहायक होते हैं। इसके लिए रोजाना सुबह खाली पेट एक-दो लहसुन की कली चबाकर खाएं या इसे पानी के साथ निगल लें। यह उपाय आपके पाचन तंत्र को भी सुधारता है और शरीर की ऊर्जा बढ़ाता है। इन सरल और असरदार घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप अपने शरीर के दर्द से जल्द राहत पा सकते हैं।

एसिडिटी से परेशान हैं तो अपनाएं ये घरेलू उपाय

एसिडिटी एक आम पाचन समस्या है, जो कई लोगों को प्रभावित करती है। यह समस्या गलत खान-पान, मानसिक तनाव और जीवनशैली में बदलाव के कारण हो सकती है। एसिडिटी के लक्षणों में सीने में जलन, पेट फूलना, गैस बनना और उल्टी आना शामिल हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार घरेलू नुस्खे बताएंगे, जो आपको इस समस्या से आराम दिला सकते हैं।

अदरक का सेवन करें

अदरक एक प्राकृतिक औषधि है, जो एसिडिटी को कम करने में मदद कर सकती है। इसके लिए आप ताजे अदरक का रस निकालकर उसमें थोड़ा शहद मिलाकर पी सकते हैं या फिर अदरक की चाय बना सकते हैं। अदरक के सेवन से पेट की गैस निकलने में मदद मिलती है और सीने की जलन भी कम होती है। इसके अलावा अदरक का सेवन पाचन प्रक्रिया को भी सुधारता है।

तुलसी के पत्ते चबाएं

तुलसी के पत्ते चबाना भी एक अच्छा उपाय हो सकता है। तुलसी में मौजूद तत्व पेट की गैस को कम करने में सहायक होते हैं। इसके लिए कुछ तुलसी के पत्ते लेकर उन्हें अच्छी तरह चबाएं और फिर निगल लें। आप चाहें तो तुलसी की चाय भी बना सकते हैं। इसके लिए एक कप पानी में कुछ तुलसी के पत्ते डालकर उबालें और इसे छानकर पी लें।

पुदीने की चाय पिएं

पुदीने की चाय पेट की गैस निकालने में मदद कर सकती है। इसके लिए एक कप पानी में कुछ पुदीने की पत्तियां डालकर उबालें और इसे छानकर पी लें। पुदीने की चाय पीने से पेट का दर्द भी कम होता है और पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है। आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद मिला सकते हैं ताकि इसका स्वाद बेहतर हो जाए। नियमित रूप से पुदीने की चाय पीने से एसिडिटी की समस्या में काफी आराम मिलता है।

नारियल पानी पिएं

नारियल पानी एक प्राकृतिक पेय है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखती है और पेट की गैस निकालने में मदद करती है। रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास नारियल पानी पीने से पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और एसिडिटी की समस्या कम होती है। इसके अलावा नारियल पानी पीने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और थकान दूर होती है। यह एक पोषक तत्वों से भरपूर पेय है, जो आपको तरोताजा महसूस कराता है।

नींबू पानी पिएं

नींबू पानी विटामिन-सी का अच्छा स्रोत होता है, जो पाचन प्रक्रिया को सुधारता है और एसिडिटी को कम करता है। इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पी लें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद मिला सकते हैं ताकि इसका स्वाद बेहतर हो जाए। नियमित रूप से नींबू पानी पीने से न केवल एसिडिटी की समस्या में आराम मिलता है बल्कि यह आपके शरीर को ताजगी भी प्रदान करता है।

खास खबर

भीषण गर्मी के चलते छत्तीसगढ़ में बढ़ सकती हैं गर्मी की छुट्टियां

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच स्कूली बच्चों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने संकेत दिए हैं कि मौसम की स्थिति को देखते हुए स्कूल खुलने की निर्धारित तारीख में बदलाव किया जा सकता है। वर्तमान शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूल 16 जून 2026 से खुलने वाले हैं। हालांकि जून माह में भी तेज धूप और उमस से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। ऐसे में अभिभावकों के बीच बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि आने वाले दिनों में गर्मी का असर कम नहीं होता है, तो स्कूलों की छुट्टियां कुछ दिनों के लिए और बढ़ाई जा सकती हैं। इस संबंध में शिक्षा विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सूत्रों के अनुसार, मौसम की समीक्षा के बाद शिक्षा विभाग जल्द ही कोई निर्णय ले सकता है। यदि तापमान में कमी नहीं आती है तो स्कूल खुलने की तारीख आगे बढ़ाने का आदेश जारी किया जा सकता है।

राशनकार्ड के लिए अब नहीं लगाने होंगे चक्कर, सेवा-सेतु पोर्टल से करें आवेदन

सुकमा। जिले के आम नागरिकों के लिए राशनकार्ड संबंधी सेवाओं को और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने सेवा-सेतु पोर्टल (ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध करा दी है। अब अंत्योदय, प्राथमिकता, एकल निराश्रित एवं नि:शक्तजन श्रेणी के नवीन राशनकार्ड जारी कराने, राशनकार्ड में सदस्य जोड़ने तथा नाम विलोपन के लिए नागरिक स्वयं घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह सुविधा सभी लोक सेवा केंद्रों के साथ-साथ स्थानीय निकायों और आम नागरिकों के लिए भी उपलब्ध है।ला खाद्य अधिकारी रविशंकर कोमरा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन के दौरान हितग्राही को आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे, जिसके बाद आवेदन रसीद क्रमांक स्वत: जनरेट होगा। लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन करने पर निर्धारित 30 रुपये शुल्क देय होगा।

सुकमा में लखपति दीदी अभियान को मिलेगी रफ्तार

सुकमा। जिला पंचायत सुकमा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुन्द ठाकुर की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित संवाद कार्यक्रम में बिहान कैडरों, संकुल संगठनों, ग्राम संगठनों के पदाधिकारियों तथा विकासखण्ड एवं जिला बिहान टीम के साथ व्यापक चर्चा की गई। कार्यक्रम में आजीविका गतिविधियों की प्रगति, समूहों के बुक्स ऑफरिकॉर्ड के अद्यतन संधारण तथा संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए सीईओ ठाकुर ने पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध कार्य निष्पादन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने मांग के अनुरूप बुक्स ऑफरिकॉर्ड ी तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।बैठक में महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से आगामी तीन दिनों के भीतर शत-प्रतिशत ऑनलाइन लोकोस एंट्री, लखपति दीदी एंट्री तथा संकुल स्तरीय संगठनों के दैनिक लेन-देन का रिकॉर्ड पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। तहत चिन्हित ग्रामों के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर उन्हें जल्द से जल्द 'लखपति दीदी ग्राम' के रूप में विकसित करने पर बल दिया।

रंग, रचनात्मकता और संस्कृति का महोत्सव बना 'आकार-2026'

नई पीढ़ी को संस्कृति, कला और लोक परंपराओं की जानकारी देना समय की आवश्यकता है - बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, संगीत, नृत्य और आधुनिक रचनात्मकता के अद्भुत संगम का प्रतीक बना संस्कृति विभाग का बहुप्रतीक्षित कला प्रशिक्षण शिविर आकार-2026 रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतिभागियों की शानदार प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हो गया। 25 मई से 9 जून तक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर, रायपुर में आयोजित इस 16 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रदेशभर से आए 1281 प्रतिभागियों ने 16 विभिन्न कला विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी प्रतिभा को नई दिशा दी।

समापन समारोह में रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्षा मोना सेन, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे तथा उप संचालक प्रताप चंद्र पारख सहित बड़ी संख्या में कला प्रेमी, प्रशिक्षु एवं अभिभावक उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2004 में संस्कृति मंत्री रहते हुए उन्होंने आकार प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने तथा उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से यह पहल प्रारंभ की गई थी। उन्होंने कहा कि इसकी लोकप्रियता को देखते हुए ऐसे आयोजन प्रदेश के सभी संभागों में आयोजित किए जाने चाहिए। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक आभूषणों, हस्तशिल्प के लिए स्थायी विक्रय केंद्र भी विकसित किए जाने चाहिए, जिससे कलाकारों को आर्थिक लाभ मिल सके और लोग छत्तीसगढ़ के आभूषण और हस्तशिल्प को देख और खरीद सकें। श्री अग्रवाल ने बच्चों को मिट्टी और प्रकृति से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जिस दिन बच्चे मिट्टी से जुड़ना और मिट्टी से सृजन करना सीख जाएंगे, उनका जीवन आनंद और संवेदनशीलता से भर जाएगा। नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, कला और लोक परंपराओं की जानकारी देना समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि आकार केवल एक प्रशिक्षण शिविर नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककलाओं, हस्तशिल्प और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित एवं संवर्धित करने का एक सशक्त माध्यम है। वर्ष 2004 से लगातार आयोजित हो रहा यह कार्यक्रम युवाओं में सृजनशीलता और सांस्कृतिक चेतना विकसित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने बताया कि अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए पंजीयन शुल्क को 200 रुपये से घटाकर मात्र 100 रुपये किया गया। साथ ही दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों के लिए विशेष रियायत भी प्रदान की गई, जिससे समाज के सभी वर्गों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिल सके।

आकार-2026 ने इस वर्ष पारंपरिक लोक कलाओं और आधुनिक तकनीक के बीच एक सुंदर सेतु का निर्माण किया। जहां एक ओर प्रतिभागियों ने टेराकोटा, जूट शिल्प, गोदना कला, रजवार भित्ति चित्र, मंडला एवं मांडना कला, भरथरी गायन और कथक जैसी विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया, वहीं दूसरी ओर उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कला की नवीनतम तकनीकों से भी परिचित कराया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सभी कला गुरुओं एवं प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने प्रशिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उनका अभिनंदन किया।

समापन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम ने पूरे वातावरण को लोक संस्कृति के रंगों से सराबोर कर दिया। प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। सुवा नृत्य, कर्मा नृत्य, पंथी नृत्य, बांसगीत, भरथरी गायन तथा लोकसंगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को देर तक मंत्रमुग्ध रखा। पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्यों की मधुर ध्वनि और कलाकारों की ऊर्जा ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

तकनीक, प्रशिक्षण और सख्त निगरानी से सड़क हादसों पर लगाम की तैयारी

61 हजार चालान और 31 हजार से अधिक वाहनों की फिटनेस जांच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए तकनीक आधारित निगरानी, बेहतर चालक प्रशिक्षण, वाहनों की वैज्ञानिक फिटनेस जांच और यातायात नियमों के प्रभावी पालन पर सरकार ने विशेष जोर दिया है। नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में आयोजित राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा कर अधिकारियों को प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में विधायक श्री अनुज शर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए आधुनिक वाहन फिटनेस केंद्रों, ई-ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक, एएनपीआर कैमरों और स्पीड मॉनिटरिंग सिस्टम का विस्तार किया जा रहा है। जनवरी से मई 2026 तक 31 हजार 604 वाहनों की फिटनेस जांच की गई, जबकि 61 हजार से अधिक चालान तकनीकी निगरानी तंत्र के माध्यम से जारी किए गए।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जवाबदेही है। दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सड़क इंजीनियरिंग, प्रभावी प्रवर्तन और जन-जागरूकता के समन्वित प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने दुर्घटना संभावित स्थलों की नियमित समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने तथा जागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जनहानि रोकना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से यातायात नियमों के पालन को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय तथा नियमों के उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही युवाओं और विद्यार्थियों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए तकनीक, प्रशिक्षण, जन-जागरूकता और प्रभावी प्रवर्तन व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षित यातायात व्यवस्था विकसित करने तथा सड़क सुरक्षा को जनभागीदारी का अभियान बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, कोरबा, जांजगीर-चांपा और रायगढ़ सहित विभिन्न जिलों में संचालित आधुनिक फिटनेस केंद्रों में जनवरी से मई 2026 के दौरान 31 हजार 604 वाहनों की फिटनेस जांच की गई है।

पीएम सूर्यघर योजना से बदली सतेंद्र कुमार की जिंदगी, चार माह से बिजली बिल आया शून्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। खैरागढ़ जिले के ग्राम बेन्द्रिडीह के निवासी सतेंद्र कुमार ने इस योजना का लाभ लेकर न केवल अपने घर का बिजली खर्च समाप्त कर दिया है, बल्कि अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर उसे ग्रिड में भी भेज रहे हैं। भीषण गर्मी के इस मौसम में, जब अधिकांश परिवार बढ़ते बिजली बिलों से परेशान हैं, वहीं सतेंद्र कुमार का बिजली बिल पिछले चार महीनों से लगातार शून्य आ रहा है।

सतेंद्र कुमार ने बताया कि योजना का लाभ लेने से पहले उनके घर का बिजली बिल औसतन 1500 रुपये प्रतिमाह आता था। गर्मी के दिनों में कूलर, पंखे और अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग से यह खर्च और बढ़ जाता था। इससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त भार पड़ता था। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कराने के बाद उनकी स्थिति पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने बताया कि सोलर सिस्टम लगने के बाद घर की बिजली आवश्यकता पूरी तरह सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है। पिछले चार महीनों से उनका बिजली बिल शून्य आ रहा है, जिससे हर महीने होने वाला खर्च बच रहा है। बीते महीने उनके सोलर सिस्टम ने कुल 478 यूनिट बिजली का उत्पादन किया, जिसमें से 376 यूनिट बिजली ग्रिड को एक्सपोर्ट की गई। यह दर्शाता है कि उनकी आवश्यकता से अधिक बिजली का उत्पादन हुआ, जिसका लाभ नेट मीटरिंग व्यवस्था के माध्यम से मिला।

दूरस्थ अंचलों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाओं की दस्तक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश के दूरस्थ, वनांचल और पहुंचविहीन क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विकासखंड कुसमी अंतर्गत दुर्गम ग्राम पंचायत बरडीह के बरडीह पारा में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आया है। इस पहल से ऐसे क्षेत्रों के लोगों को उनके गांव में ही स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित शिविर में ग्रामीणों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकता अनुसार दवाइयों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों को वर्षा ऋतु में फैलने वाली बीमारियों, मलेरिया, डायरिया तथा अन्य संक्रमणों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। साथ ही स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल के उपयोग और मच्छरों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाने का संदेश भी दिया गया।

शिविर की सबसे महत्वपूर्ण पहल सर्पदंश के प्रति जागरूकता रही। स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को बताया कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या अंधविश्वास का सहारा लेने के बजाय तत्काल चिकित्सकीय उपचार कराना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है। ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में सर्पदंश के उपचार के लिए एंटी वेनम की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है और समय पर इलाज मिलने से गंभीर जटिलताओं तथा मृत्यु के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों ने इस पहल के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पहले स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे समय और संसाधनों की कठिनाई होती थी। अब स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव तक पहुंच रही है, जिससे समय पर उपचार के साथ स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी मिल रही है।

यह पहल केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता के माध्यम से ग्रामीणों को सुरक्षित और स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रेरित भी कर रही है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का यह प्रयास दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

प्रभारी सचिव अंकित आनंद ने चापाटोली मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जशपुर जिले के प्रभारी सचिव अंकित आनंद ने सोमवार को दुलदुला विकासखंड के ग्राम चापाटोली स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, टीकाकरण एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा की। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने कुपोषित बच्चों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नियमित गृह भ्रमण कर अभिभावकों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुपोषण की रोकथाम के लिए सामुदायिक सहभागिता और परिवार स्तर पर जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों के नियमित टीकाकरण, ग्रोथ मॉनिटरिंग, ग्रोथ चार्ट संधारण तथा बच्चों को प्रारंभिक अक्षर ज्ञान एवं बुनियादी शिक्षा से जोड़ने संबंधी गतिविधियों की भी जानकारी ली और इन कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रैमुनी बाई से मोबाइल आधारित ऑनलाइन कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने देखा कि रैमुनी बाई मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में बच्चों एवं केंद्र से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर रही हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की तकनीकी दक्षता और डिजिटल कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर प्रभारी सचिव ने उनकी सराहना की।

युवाओं के लिए विदेश में रोजगार का सुनहरा अवसर

सुकमा। जिले के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अंतर्गत भारत-इजराइल फ्रेमवर्क एग्रीमेंट के तहत इजराइल में होम बेस्ड केयर गिवर के पदों पर भर्ती की जा रही है। भर्ती के लिए अभ्यर्थी की आयु 25 से 45 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है तथा इंटरमीडिएट स्तर पर अंग्रेजी विषय का अध्ययन किया होना चाहिए। जला रोजगार अधिकारी एसके भार्वे ने बताया कि आवेदक के पास कम से कम तीन वर्ष की वैधता वाला पासपोर्ट होना आवश्यक है। इसके अलावा अभ्यर्थी शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हो तथा उसकी लंबाई 1.5 मीटर एवं वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

संचालित यूनिट से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार

कौडूटोला बना प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का आदर्श मॉडल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के विकासखंड अंबागढ़ चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत कौडूटोला आज ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का एक सफल और प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभर रहा है। यहां संचालित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को नई दिशा दे रही है।

गत दिवस कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने यूनिट का अवलोकन कर यहां संचालित गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के संग्रहण, प्रसंस्करण एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्थित प्रक्रिया को ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और संसाधन प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

यूनिट में आधुनिक मशीनों की सहायता से प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक ढंग से प्रसंस्करण किया जा रहा है। विभिन्न ग्रामों के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों तथा कबाड़ विक्रेताओं से एकत्रित प्लास्टिक कचरे को छांटकर उसका पुनर्चक्रण किया जाता है। प्लास्टिक बोतलों की बेलिंग के साथ हार्ड प्लास्टिक से ग्रैन्यूल्स तैयार किए जाते हैं, जिससे अनुपयोगी कचरा उपयोगी संसाधन में परिवर्तित हो रहा है।

समूह की महिलाएं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

इस यूनिट की एक विशेष उपलब्धि यह है कि इसका संचालन ग्राम पंचायत सोनसायटोला के जय मां दंतेश्वरी स्व-सहायता समूह द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है। समूह की महिलाएं न केवल प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, बल्कि ग्रामीणों से उचित मूल्य पर प्लास्टिक कचरा खरीदकर उन्हें स्वच्छता अभियान से भी जोड़ रही हैं। इससे स्थानीय महिलाओं और ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

कौडूटोला की यह पहल स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के उद्देश्यों को धरातल पर साकार करते हुए पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के पुनर्चक्रण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। यह मॉडल अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है तथा स्वच्छ, हरित और आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रहा है।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

बीएसपी में कॉपर तार चोरी की कोशिश, 130 किलो स्क्रैब तार के साथ 4 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसकर स्क्रैब कॉपर तार चोरी करने की कोशिश करने वाले 4 आरोपियों को भिलाई भट्ठी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 130 किलोग्राम स्क्रैब कॉपर तार बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 97 हजार 500 रुपए बताई गई है।

मामला 6 जून 2026 का है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की भिलाई इस्पात संयंत्र इकाई ने भिलाई भट्ठी थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि कुछ लोग संयंत्र के ओएचबी जंक्शन-2 और 3 के प्रोजेक्ट स्टोर के पीछे स्थित प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसकर स्क्रैब कॉपर तार चोरी करने का प्रयास कर रहे थे।

आरोपियों ने वहां रखे 65-65 किलोग्राम वजन वाले दो बंडल, यानी कुल 130 किलोग्राम स्क्रैब कॉपर तार चोरी करने की कोशिश की थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

कुछ आरोपियों को सीआईएसएफ ने मौके पर पकड़ा

जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले आरोपी सुनील कुमार को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की साजिश रचने और वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

पुलिस के अनुसार, घटना के दौरान कुछ आरोपियों को सीआईएसएफ ने मौके पर ही पकड़ लिया था। इसके बाद चोरी किए गए 130 किलोग्राम स्क्रैब कॉपर तार को जब्त कर लिया गया। मुख्य आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने फरार साथियों की तलाश शुरू की।

तकनीकी साक्ष्यों और लगातार दबिश के आधार पर 8 जून को आरोपी उमेश बाग को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद 9 जून को फरार चल रहे यमन उर्फ अमन और संदीप कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। सभी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

लगातार चोरी के बाद अलर्ट मोड पर प्रबंधन

भिलाई स्टील प्लांट में हाल के दिनों में लोहा चोरी का एक बड़ा मामला सामने आने के बाद बीएसपी प्रबंधन और सीआईएसएफ अलर्ट मोड पर हैं। इसी सतर्कता के तहत कॉपर तार चोरी के प्रयास का भी जल्द खुलासा कर लिया गया।

पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपी भिलाई के पुरैना क्षेत्र स्थित डाक बंगला उत्कल चौक के निवासी हैं। आरोपियों की उम्र 19 से 23 वर्ष के बीच है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि आरोपी स्क्रैब कॉपर तार चोरी कर उसे बेचने और उससे अवैध रूप से धन कमाने की योजना बना रहे थे। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

खास खबर

खेत में आग की घटना के बाद तनाव में थे किसान, जहर सेवन कर दी जान

कोंडागांव। जिले के फरसगांव क्षेत्र से एक दुखद मामला सामने आया है, जहां एक किसान ने कथित तौर पर जहर सेवन कर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, फरसगांव थाना क्षेत्र के जुगानी कैंप निवासी 65 वर्षीय किसान केशव हलधर कुछ दिनों से मानसिक तनाव में थे। बताया जा रहा है कि खेत में फसल अवशेष जलाने के दौरान आग पड़ोसी खेत तक पहुंच गई थी, जिससे वहां लगी मक्का फसल और ड्रिप पाइप को नुकसान हुआ था। ग्रामीणों के मुताबिक, नुकसान की भरपाई को लेकर दोनों पक्षों के बीच सहमति भी बन गई थी। इसके बावजूद किसान घटना को लेकर चिंतित और तनावग्रस्त बताए जा रहे थे। सोमवार को उनका शव जंगल में मिला। मौके से जहर का एक डिब्बा भी बरामद किया गया है, जिससे जहर सेवन की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही आत्महत्या के कारणों और परिस्थितियों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

नाबालिग को अश्लील वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल, 10 आरोपी हुए गिरफ्तार

कोरबा। जिले के बालको थाना क्षेत्र में नाबालिग युवती को अश्लील वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार आरोपियों द्वारा नाबालिग को अश्लील सामग्री दिखाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था और उसे ब्लैकमेल किया जा रहा था। मामले की शिकायत मिलते ही बालको थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय हुई और सभी आरोपियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों से पूछताछ जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। पीड़िता के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

समय पर नहीं पहुंची 108 एम्बुलेंस व डायल 112, हादसे में घायल ग्रामीण की मौत

कोरबा। जिले के कई सुदूर वनांचल क्षेत्र आज भी सुविधाओं को तरस रहे हैं। आकाशी और डीएमएफ जिला होने के बावजूद ऐसे वनांचल क्षेत्र में सुविधाओं का अभाव कई बार लोगों की जान पर भारी पड़ जाता है। ऐसे ही एक मामले में सड़क हादसे में घायल गंभीर ग्रामीण करीब 3 घंटे तक तड़पता रहा और अंततः इलाज के अभाव में मौके पर ही दम तोड़ दिया। ना तो उस तक 108 एम्बुलेंस की सुविधा पहुंची और न ही 112 की। यह मामला लेमरू थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम लामपहाड़ मार्ग का है। घटना 8 जून की रात करीब 7 की थी। 7.30 बजे आसपास स्थानीय ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली। ग्रामीणों का कहना है कि 108 के लिए 24 घंटे ड्राईवर हो। इस घटना में आखिर कोई मतलब नहीं हुआ, 3 घंटे लगा। ऐसे हालत में घायल के लिए 3 मिनट भी घातक सिद्ध होता है, 3 घंटे में तो दशगात्र कार्यक्रम सम्पन्न हो जायेगा। फिलहाल, देखना है कि इस घटना के बाद क्या व्यवस्था में कुछ सुधार होता है या फिर सब कुछ ऐसे ही ढर्रे पर चलता रहेगा सवाल कायम है कि इस घटना के लिए क्या किसी पर जिम्मेदारी तय होगी इस तरह की असुविधा दूर करने नेतागण सक्रिय क्यों नहीं रहते।

दुष्कर्म मामले में बाल आयोग ने लिया संज्ञान, केस दबाने के आरोप में पीड़िता के दादा समेत 3 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के धरसींवा थाना क्षेत्र के सिलयारी में 13 वर्षीय नाबालिग से कथित दुष्कर्म और अपहरण के मामले को छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए विस्तृत रिपोर्ट तलब की है और 15 जून को सुनवाई निर्धारित की है।

वहीं, पुलिस ने जांच के दौरान 1.30 लाख रुपए लेकर मामला दबाने के आरोप में पीड़िता के दादा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी दादा के पास से 1 लाख कैश जब्त हुआ है।

शुरुआती जांच में नाबालिग की तरफ से घटना से इनकार किए जाने के कारण मामले को बंद करने की तैयारी की जा रही थी। हालांकि बाद में वायरल वीडियो-ऑडियो और दोबारा जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले की जांच के दौरान पुलिस की

कथित लापरवाही भी सामने आई। इसके बाद संबंधित सिलयारी चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया। बाल आयोग ने इसे नाबालिगों की सुरक्षा और पुलिस विवेचना से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील मामला बताते हुए गंभीरता से लिया है। बाल आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने पीड़ित बालिका और उसके परिजनों का बयान दर्ज कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पीड़िता और उसके अभिभावकों को 15 जून 2026 को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है। आयोग सुनवाई के दौरान पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के अनुपालन की भी समीक्षा करेगा।

दादा पर मामला दबाने का आरोप

पुलिस की दोबारा जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पीड़िता के दादा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के दादा ने मुख्य आरोपी ईश्वर घृतलहरे के परिजनों से दुष्कर्म की घटना को दबाने के एवज में 1 लाख 30 हजार रुपए कैश लिए थे।

इस लेन-देन का वीडियो भी पुलिस के हाथ लगा है। आरोप है कि दादा ने दूसरे आरोपी को फोन कर धमकी भी दी थी।

पुलिस ने पीड़िता के दादा के अलावा सीताराम मेडिकल स्टोर संचालक चंद्रशेखर यदु और टुकेन्द्र वर्मा को भी आरोपी बनाया है। तीनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं मामले में पहले गिरफ्तार किए जा चुके दो दुष्कर्म आरोपी पहले से जेल में हैं। पुलिस पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर रही है।

नकली शराब का भंडाफोड़, सेल्समैन के घर छापे में मिले खाली बोतलें

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। जिले के ग्राम संडी में शराब कारोबार से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्रामीणों के दावे के अनुसार शराब दुकान से जुड़े एक सेल्समैन के घर पर बड़ी मात्रा में खाली शराब की बोतलें, ब्रांडेड स्टीकर, ढक्कन और शराब तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला संदिग्ध सामान मिला है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के मुताबिक मंगलवार देर रात ग्रामीणों ने शराब दुकान के आसपास दो युवकों को झोले में शराब ले जाते हुए पकड़ा। ग्रामीणों द्वारा पूछताछ किए जाने पर दोनों ने कथित तौर पर बताया कि वे शराब दुकान के सेल्समैन सूरज टंडन के घर से शराब लेकर आए हैं और उसे दुकान तक पहुंचाना था।

युवकों के बयान के बाद ग्रामीण सीधे संबंधित सेल्समैन के घर पहुंचे। वहां बड़ी संख्या में खाली शराब की बोतलें, विभिन्न ब्रांडों के स्टीकर, ढक्कन और अन्य सामान मिलने का दावा किया गया। इसके बाद गांव में यह चर्चा तेज हो गई कि कहीं लंबे समय से कथित तौर पर नकली या मिलावटी शराब तैयार कर ग्राहकों तक तो नहीं पहुंचाई जा रही थी।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने भी मामले को गंभीरता से लिया है। हालांकि अभी तक किसी भी अधिकारी ने यह पुष्टि नहीं की है कि बरामद सामान का उपयोग नकली शराब बनाने में किया जा रहा था। अधिकारियों का कहना है कि जांच और परीक्षण रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन से कटने से हुई मौत

भाटापारा। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत सिध्दबाबा रेलवे फाटक के पास ट्रेन के चपेट में आने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की उम्र लगभग 50 से 55 की वर्ष आकी जा रही है, मृतक एक टोपी पहना हुआ है साथ ही लाइनिंग फुलशर्ट भी पहना हुआ है। अनुमान लगाया जा रहा है कि वह किसी ट्रेन से गिरा होगा। भाटापारा ग्रामीण पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर लिया गया है, मृतक की पहचान की कोशिश की जा रही है।

जिला जेल में कैदी की संदिग्ध मौत बाथरूम में फंदे से लटका मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिला जेल में एक कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार सुबह उसका शव जेल के बाथरूम में फांसी के फंदे से लटका मिलने के बाद जेल परिसर में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक और साइबर टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

मृतक की पहचान दुवास राम केंवट (21 वर्ष) के रूप में हुई है, जो कोरबा जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के जवाली गांव का निवासी था। बताया जा रहा है कि उसे नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने, अपहरण और अनाचार के मामले में बलौदा पुलिस ने 8 जून को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेजा था।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह सफाईकर्मी जब बाथरूम की सफाई करने पहुंचे तो उन्होंने कैदी का शव उसके ही कपड़ों से बनाए गए फंदे के सहारे खिड़की से लटका हुआ देखा। इसकी सूचना तत्काल जेल प्रशासन को दी गई, जिसके बाद पुलिस को बुलाया गया।

घटना के बाद परिजनों को सूचना दी गई और उनकी मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस, फॉरेंसिक टीम और साइबर सेल मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

जांजगीर सीएसपी योगिता खापर्डे ने बताया कि मृतक को एक दिन पहले ही अपहरण और अनाचार के मामले में जेल दाखिल किया गया था। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन हत्या या किसी अन्य कारण से मौत की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

रायपुर पश्चिम जोन में 250 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

आबकारी-नारकोटिक्स, जुआ-सट्टा और आर्म्स एक्ट के 50 केस दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के पश्चिम जोन में क्राइम और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें 1 जून से 8 जून तक आबकारी, नारकोटिक्स, जुआ-सट्टा और आर्म्स एक्ट के तहत 50 केस दर्ज किए गए।

जबकि 250 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम जोन) संदीप कुमार पटेल और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा के निर्देश में यह कार्रवाई की गई है।

नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, एनडीपीएस एक्ट के तहत 7 मामलों में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 40.809 किलोग्राम गांजा, 73 नशीली टैबलेट और अन्य मादक पदार्थ बरामद किए गए। नशे के अवैध कारोबार पर इसे महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है।

अवैध शराब के खिलाफ भी पुलिस ने सख्ती दिखाई। आबकारी एक्ट के तहत 36 केस दर्ज कर 36 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई के दौरान 53.82 लीटर देशी शराब जब्त की गई।

जुआ-सट्टा खिलाने वाले आरोपी भी गिरफ्तार

जुआ और सट्टे के खिलाफ अभियान में जुआ एक्ट के तहत 1 प्रकरण दर्ज कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से 20,790 रुपए कैश और सट्टा-पट्टी बरामद किया है। वहीं आर्म्स एक्ट के तहत 6 अलग-अलग मामलों में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

कोयला और रेत के अवैध परिवहन पर खनिज विभाग का शिकंजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग ने सूरजपुर जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए कोयला एवं रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों को जब्त कर संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए हैं। कलेक्टर रेना जमील के निर्देशानुसार खनिज विभाग, जिला स्तरीय टास्कफोर्स एवं खनिज अमले द्वारा खनन प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है।

इसी क्रम में 07 जून को तहसील सूरजपुर अंतर्गत ग्राम पचिरा-मानी चौक मार्ग पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ग्राम बेलटिकरी के पास अवैध रूप से खनिज कोयला परिवहन करते

हुए 06 मोटरसाइकिलों को पकड़ा गया। इन वाहनों से लगभग 5 टन कोयला जप्त किया गया, जिसे पुलिस थाना सूरजपुर में सुरक्षार्थ रखा गया है।

खनिज विभाग ने ग्राम राजापुर, हर्राटिकरा एवं आसपास के क्षेत्रों में भी कार्रवाई करते हुए अवैध रेत परिवहन में संलिप्त 03 टिपर वाहनों के मालिकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई प्रारंभ की है। इसके अलावा 08 जून को राजापुर रेत खदान क्षेत्र के औचक निरीक्षण के दौरान अवैध रेत परिवहन में लगे 02 और टिपर वाहनों को जप्त किया गया।

संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत प्रकरण दर्ज करते हुए जप्त वाहनों एवं खनिज सामग्री को पुलिस थाना जयनगर के सुपुर्द किया गया है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा तथा राजस्व क्षति रोकने के उद्देश्य से खनिज अमला नियमित निरीक्षण एवं सघन जांच अभियान संचालित कर रहा है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अवैध खनिज गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भारत फाइनेंस कंपनी में 22.66 लाख गबन मामले में फरार दो और आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। सरायपाली क्षेत्र में भारत फोइनेंस इंक्लूजन कंपनी की शाखा में हुए 22 लाख 66 हजार रुपये के गबन मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस मामले में अब तक कुल तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक हेमेन्द्र राजाराम जनबन्धु की शिकायत पर थाना सरायपाली में अपराध क्रमांक 341/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि शाखा में कार्यरत कर्मचारियों ने ग्राहकों से वसूली गई किस्तों की राशि बैंक में जमा करने के बजाय उसका गबन कर लिया।

जांच में सामने आया कि शाखा प्रबंधक और फील्ड स्टाफ ने अलग-अलग समय पर ग्राहकों से वसूले गए पैसे कंपनी के खाते में जमा नहीं किए। आरोपियों द्वारा कुल 22,66,645 रुपये की राशि का गबन किया गया। मामले में शुभम पाणीग्राही, दीपक कुमार, रोहन प्रधान और प्रमोद महंत को आरोपी बनाया गया था।

पुलिस ने पहले ही शुभम पाणीग्राही को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, फरार चल रहे रोहन प्रधान और प्रमोद महंत को सीडीआर विश्लेषण, तकनीकी जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर 8 जून 2026 को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि गबन की राशि का उपयोग कहां और किस प्रकार किया गया, इसकी पड़ताल की जा रही है। जांच में आगे और भी अहम खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

बछड़े से टकराकर बाइक पेड़ से भिड़ी, युवक की मौत

राजनांदगांव। सुरगी चौकी क्षेत्र के ग्राम भोड़िया में सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना सोमवार रात की है। हादसे में गंभीर रुप से घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक बालोद जिले के ग्राम भेंड्रा में रहने वाला 30 वर्षीय तुलाराम निषाद भेड़िया के ईट भट्टे में मुनीम का काम करता था। शाम में वह अपनी बाइक से राजनांदगांव गया था। रात 9 बजे के करीब लौटते वक्त उकसकी बाइक सड़क पर मौजूद बछड़े से टकरा गई। बाइक का नियंत्रण बिगड़ा और सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में तुलराम के सिर और हाथ पैर में गंभीर चोटे आई थी। जिसे 108 एंबुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया गया। लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950